वर्ष : 27 | अंक : 268 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, मंगलवार, 16 सितंबर, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

देहरादून और मंडी में बादल फटने से तबाही

मंडी के धरमपुर व निहरी इलाकों में भूस्खलन

शिमला (एजेंसी)। पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश व उत्तराखंड के कई इलाकों में भारी बारिश ने फिर कहर बरपाया है। कल रात (15 सितंबर) को हिमाचल प्रदेश के मंडी के धरमपुर में बादल फटने से बस स्टैंड पानी में डूब गया। राज्य की राजधानी शिमला और आसपास के इलाकों से भी भारी बारिश के कारण कई जगह भूस्खलन और सामान्य जनजीवन के बुरी तरह प्रभावित होने की खबरें आ रही हैं।

बीती रात धरमपुर में बारिश ने ऐसा तांडव मचाया कि पूरा बस स्टैंड डूबा गया और बसें समेत कई वाहन बह गए। इस घटना में एक व्यक्ति के भी अभी तक लापता होने की खबर है। भारी बारिश से यहां बहने वाली सोन खड्ड के जलस्तर में भी भारी बढ़ोतरी हो गई है। बढ़ते जलस्तर के चलते बस स्टैंड सहित लोगों के घरों और दुकानों में पानी जा घुसा है। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

मंडी में बस स्टैंड पानी में डूबा घरों व दुकानों में पानी भरा | **देहरादून के सहस्त्रधारा में कई घर व दुकानें बही** | **टपकेश्वर मंदिर में भारी नुकसान** | **तमसा, चंद्रभागा व सोंग नदी उफान पर**

सहस्त्रधारा में बादल फटा

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में बारिश जमकर कहर बरपा रही है। भारी बारिश की वजह से सहस्त्रधारा में बादल फटने की घटना सामने आई है. अचानक आए सैलाब में कई दुकानें और घर बह गये। इसमें दो लोग लापता हैं, जिनकी तलाश की जा रही है। बादल सुबह करीब पांच बजे फटा। SDRF, NDRF और स्थानीय प्रशासन राहत और बचाव कार्य में जुटा है।

आपदा प्रबंधन सचिव विनोद कुमार सुमन ने कहा कि देहरादून में सहस्त्रधारा और माल देवता तथा मसूरी से भी नुकसान की खबरें मिली हैं। देहरादून में दो से तीन लोग लापता बताए जा रहे हैं। मसूरी में एक व्यक्ति की मौत की खबर मिली है, जिसकी पुष्टि की जा रही है। उन्होंने कहा कि टीमें प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्य में लगी हुई हैं, जबकि 300 से 400 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है।

देहरादून में भारी बारिश हो रही है, जिससे **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

प्रशासन राहत कार्यों में जुटा : पुष्कर धामी

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा, 'देहरादून के सहस्त्रधारा में देर रात हुई अतिवृष्टि से कुछ दुकानों को नुकसान पहुंचने की दुःखद सूचना प्राप्त हुई है। जिला प्रशासन, एसडीआरएफ, पुलिस मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्यों में जुटे हुए हैं। इस सम्बन्ध में निरंतर स्थानीय प्रशासन से संपर्क में हूं और स्वयं स्थिति की निगरानी कर रहा हूं. ईश्वर से सभी के सकुशल होने की प्रार्थना करता हूं।'

मोमबत्ती और अगरबत्ती बनाने वाली कंपनी में आग

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना फेस- 2 क्षेत्र के हौजरी काम्पलेक्स में स्थित एक कंपनी के बेसमेंट में बीती रात आग लग गई। कंपनी में मोमबत्ती और अगरबत्ती बनाने का काम होता था। दमकल विभाग की आठ गाड़ियों ने कई घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

चीफ फायर ऑफिसर (सीएफओ) प्रदीप चौबे ने बताया कि बीती रात्रि करीब 1:30 बजे पुलिस को सूचना मिली कि हौजरी कंपलेक्स स्थित प्रोसेस कंपनी प्राइवेट लिमिटेड के के बेसमेंट में आग लग गई है। आग लगने की सूचना पर तुरंत 6 दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। जांच करने पर पता चला कि बेसमेंट में धूपबत्ती अगरबत्ती और मोमबत्ती का स्टॉक रखा हुआ था। इस कारण थोड़ी ही देर में आग ने भीषण रूप ले लिया। आग की भयावता को देखते हुए दो और गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। कई घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

सीएफओ ने बताया कि दमकलकर्मियों की तत्परता से आग को प्रथम व द्वितीय तल पर फैलने से रोक कर बड़े नुकसान को बचाया गया है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि संभवत: शार्ट सर्किट की वजह से बेसमेंट में आग लगी है। रात्रि होने के कारण कंपनी बंद थी। इस कारण कोई जान माल की हानि नहीं हुई है।

पार्किंग में खड़ी कार का शीशा तोड़ा

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-58 क्षेत्र के फोर्टिस हॉस्पिटल के सामने पार्किंग में खड़ी कार का शीशा तोड़कर चोरों ने लैपटॉप चोरी कर लिया।

ग्रेटर नोएडा स्थित जेएम फ्लोरेंस सोसायटी निवासी मानस मयंक सिंह ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह न्यूक्लियस सॉफ्टवेयर कंपनी में कार्यरत है। 10 सितंबर की रात्रि को उसने फोर्टिस अस्पताल के सामने अपनी कार पार्किंग में खड़ी की थी। कुछ देर बाद जब वापस लौटे तो उन्हें कार का शीशा टूटा हुआ और कार में रखा लैपटॉप गायब मिला। यह लैपटॉप उसे ऑफिस की तरफ से काम करने के लिए मिला था। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

निम्बस सोसायटी में शराबियों का हुड़दंग

कई लोग चोटिल, सोसायटीवासियों से मारपीट

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बीटा-2 क्षेत्र की निंबस सोसाइटी में कार सवारों ने शराब के नशे में एक कार व पिलर में टक्कर मार दी। इस हादसे में कई लोग चोटिल होने से बच गए। सोसायटीवासियों ने जब इस बात का विरोध किया तो नशे में धुत युवकों ने मारपीट की।

निम्बस सोसायटी के एओए अध्यक्ष देवेश यादव ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 14 सितंबर की रात्रि को सोसायटी में कार में बैठे दीपांशु, अंशु व मंकू शराब पी रहे थे। शराब पीने के बाद इन लोगों ने तेजी व लापरवाही से कार दौड़ते हुए सोसायटी परिसर में स्थित पिलर व एक अन्य कार में टक्कर मार दी। इस दौरान कई लोग चोटिल होने से बच गए। लोगों ने कार रुकवाकर जब इन युवकों से सही तरीके से ड्राइविंग करने को कहा तो शराब के नशे में यह युवक उनसे उलझ गए और गाली गलौज करने लगे। सोसायटी वासियों ने जब गाली-गलौज का विरोध किया तो आरोपी मारपीट करने लगे। मौके पर इकट्ठा हुए रंजन सिंह, सतीश माथुर, सुबोध, राजीव आदि सोसायटी वासियों ने कार सवार तीनों युवकों को दबोच लिया और उन्हें पुलिस को सौंप दिया। एओए अध्यक्ष की शिकायत पर थाना बीटा दो पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

'ऑपरेशन सिंदूर' में टुकड़े-टुकड़े हुआ आतंकी मसूद अजहर का परिवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। 'ऑपरेशन सिंदूर' से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आई है। आतंकवादी मसूद अजहर का परिवार ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मारा गया था। ऑपरेशन सिंदूर के कई महीनों बाद आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के परिवार ने इसकी पुष्टि की है। जैश-ए-मोहम्मद के टॉप कमांडर मसूद इलियास कश्मीरी ने स्वीकार किया है कि 7 मई को बहावलपुर के आतंकी अड्डे पर जब भारत ने हमला किया तो आतंकी मसूद अजहर का परिवार टुकड़ों-टुकड़ों में तक्सीम हो गया, रेजा-रेजा हो गया।

जैश कमांडर मसूद इलियास कश्मीरी ने कहा कि इस हमले में मसूद अजहर का परिवार को काफी नुकसान पहुंचा और परिवार के कई लोग मारे गए। जैश कमांडर के कबूलनामे से जुड़ा एक वीडियो सामने आया है. इस वीडियो में वो कमांडर कहता हुआ दिख रहा है, 'सब कुछ कुर्बान करने के बाद 7 मई को बहावलपुर के अंदर मौलाना मसूद अजहर की फैमिली के लोग बेवा, बेटे और बच्चे रेजा-रेजा हो गए. टुकड़ों में तक्सीम हो गए।'

बहावलपुर पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में स्थित शहर है। यहां मरकज सुब्हान अल्लाह नाम की एक मस्जिद में जैश-ए-मोहम्मद का मुख्यालय है। यह ऑपरेशन सिंदूर का सबसे प्रमुख और घातक हमला था जो पाकिस्तान के अंदर 100 किलोमीटर गहराई में स्थित था. भारतीय सेना ने ऑपरेशन के तहत जैश के हेडक्वार्टर को निशाना बनाया। इस हमले में आतंकियों **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

हरियाणवी एक्टर उत्तर कुमार की कोर्ट में पेशी

अस्पताल से लेकर निकली पुलिस

गाजियाबाद (चेतना मंच)। रेप केस में गिरफ्तार किए गए हरियाणवी एक्टर उत्तर कुमार की आज कोर्ट में पेशी होगी। गाजियाबाद पुलिस उन्हें यशोदा अस्पताल से लेकर निकल गई है। खबर लिखे जाने तक उत्तर कुमार की कोर्ट में पेशी की कार्यवाही चल रही थी। आपको बता दें कि उत्तर कुमार को एक एक्ट्रर्स के साथ रेप तथा ब्लैकमेल करने के आरोप में गाजियाबाद पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

गाजियाबाद पुलिस ने हरियाणवी एक्टर उत्तर कुमार को अमरोहा के एक फार्महाउस से गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के दौरान उत्तर कुमार की तबियत बिगड़ गई थी जिसके बाद उन्हें गाजियाबाद के कौशांबी में स्थित यशोदा अस्पताल में भर्ती कराया गया था। आज सुबह गाजियाबाद पुलिस एक्टर उत्तर कुमार को कोर्ट में पेश करने के लिए यशोदा अस्पताल पहुंची। इस दौरान एक्टर उत्तर कुमार व्हील चेयर पर बैठे हुए थे और मुंह पर मॉस्क लगाया हुआ था। उन्हें आज दोपहर बाद गाजियाबाद कोर्ट में पेश किया जाएगा।

वहीं उत्तर कुमार के बेटे प्रताप ने गाजियाबाद पुलिस पर आरोप लगाया था कि उनके पिता को पुलिस कस्टडी में जहर दिया गया है। उत्तर कुमार के बेटे के इन आरोपों को गाजियाबाद के पुलिस अधिकारी अभिषेक श्रीवास्तव ने पूरी तरह गलत बताया था। उन्होंने बताया कि जब उत्तर कुमार को कस्टडी में लिया गया था उसके बाद उनकी तबियत खराब हुई और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पीजी से उड़ाया लैपटॉप

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना फेस-3 क्षेत्र के मामूरा गांव के एक पीजी में रहने वाले युवक का लैपटॉप चोरी हो गया। किसी अज्ञात चोर ने खिड़की से हाथ डालकर बिस्तर पर रखा लैपटॉप निकाल लिया और फरार हो गया। मामूरा गांव स्थित शिवाय अपार्टमेंट के पीजी में रहने वाले अभिषेक कुमार ने बताए कि वह ईवाई कंपनी में कार्यरत है। 24 अगस्त को उसकी तबीयत खराब थी और वह अपने कमरे में सो रहा था। खिड़की के पास लगे बेड पर ही उसका लैपटॉप रखा हुआ था। दोपहर को जब वह सोकर उठा तो उसे लैपटॉप गायब मिला। अभिषेक कुमार ने **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

दो युवकों के मोबाइल चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। चोरों ने अलग-अलग स्थानों से दो युवकों के मोबाइल फोन चोरी कर लिए। पीड़ितों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

सेक्टर-16ए स्थित गेल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट में कार्यरत मोहित कुमार गर्ग ने थाना फेस-3 में अपना मोबाइल फोन चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। दर्ज रिपोर्ट में मोहित कुमार ने बताया कि वह 20 अगस्त की रात्रि को लॉजिक्स मॉल में गया था। इस दौरान उसका मोबाइल फोन चोरी हो गया। उसने 7 दिन पूर्व ही उक्त मोबाइल फोन खरीदा था। वहीं थाना सूरजपुर में हरिश्चंद्र पांडे ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि वह मूल रूप से जनपद बदायूं का रहने वाला है। वह एग्जाम देने के लिए गौतमबुधनगर आया था। गाजियाबाद रेलवे स्टेशन पर ट्रेन से उतरकर उसने हबीबपुर के लिए ऑटो लिया था। मौका पाकर किसी व्यक्ति ने उसका मोबाइल फोन चोरी कर लिया उसने अपने फोन की काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला। पुलिस का कहना है कि पीड़ितों की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

मोबाइल छीनकर बदमाश फरार

नोएडा (चेतना मंच)। थाना फेस-3 क्षेत्र में बाइक सवार दो बदमाशों ने एक व्यक्ति से मोबाइल फोन छीन लिया और फरार हो गए। सेक्टर-68 स्थित ग्रीन पार्क कॉलोनी में रहने वाले बृजेश कुमार ने बताया कि वह 9 सितंबर की रात्रि को सड़क पर जा रहा था इस दौरान वह अपने परिचित से फोन पर बात कर रहा था **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

लखपति दीदी के लक्ष्यों की ओर अग्रसर उत्तर प्रदेश

समूहों की 18.55 लाख से अधिक दीदियां, लखपति दीदी की श्रेणी में पहुंची

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत गठित स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को स्वावलंबी व आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सरकार लगातार प्रयास कर रही है और इस दिशा में सरकार द्वारा अनेकानेक महत्वाकांक्षी योजनाओ का संचालन किया जा रहा है, स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं की आमदनी कम से कम एक लाख व इससे अधिक करने की दिशा में लखपति महिला योजना का संचालन राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा किया जा रहा है।

राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की मिशन निदेशक श्रीमती दीपा रंजन ने जानकारी देते हुए बताया कि उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के कुशल मार्गदर्शन एवं निरंतर समीक्षा के फलस्वरूप उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन ने गत वर्ष में स्वयं सहायता समूह में जुडी 75 लाख स्वयं सहायता समूह की सदस्यों को ग्रामीण विकास मंत्रालय के लखपति दीदी एप पर आय के स्त्रोतों के सर्वे का कार्य पूर्ण किया गया। इस सर्वे कार्य में पूरे देश में उत्तर प्रदेश अग्रणी रहा।

महिलाओं की आय वृद्धि उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा बैंक ऋण, प्रशिक्षण, कौशल विकास एवं आजीविका सम्बंधित मूल्य वृद्धि इत्यादि द्वारा करवाया गया है उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के द्वारा विभिन्न गतिविधियों जैसे- कृषि आजीविका, गैर कृषि आजीविका, टेक होम राशन प्लांट, बैंक सखी, विद्युत सखी आजीविका सखी, बकरी पालन, मुर्गी पालन, महिलाओं की मूल्य वृद्धि श्रृंखला (वैल्यू चेन डेवलपमेंट) की कंपनियों ,जिनमें दुग्ध विकास से सम्बन्धित ब मिल्क प्रोड्यूसर कम्पनियों महिलाओं की हस्तशिल्प कंपनियों, एवं महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम, पंचायती राज, उद्यान विभाग, कृषि विभाग के साथ अभिसरण के माध्यम से कार्य करते को आजीविका के अवसर एवं स्रोत उपलब्ध कराए जा रहे हैं। मिशन के अंतर्गत स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं की आय में सतत् वृद्धि करवाई जा रही है एवं त्वरित गति से लखपति महिला बनने की दिशा की ओर मिशन अग्रसर है।

राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से प्राप्त जानकारी के अनुसार सरकार की लखपति महिला योजना के अंतर्गत पूरे देश में 3 करोड़ स्वयं सहायता समूह सदस्यों को वार्षिक पारिवारिक आय को रु0 1 लाख या अधिक करने का लक्ष्य है ड्ड उत्तर प्रदेश में. स्वयं सहायता समूहों की 28.92 लाख सदस्यों को वित्तीय वर्ष 2026-27 तक लखपति महिला बनाने का लक्ष्य है ड्डलखपति दीदी के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए तेजी से कार्य करने हेतु उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य द्वारा लगातार विभागीय अधिकारियो को दिशा निर्देश दिये गये, फलस्वरूप उत्तर प्रदेश मे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा इसे अभियान के तौर पर लिया गया और आज समूहों की 18.55 लाख से अधिक दीदियां लखपति दीदी की श्रेणी मे पहुंच गयी हैं, इस योजना के क्रियान्वयन मे उत्तर प्रदेश अग्रणी राज्यों की श्रेणी मे पहुंच गया है।

लखपति महिला कार्यक्रम के अंतर्गत विगत वर्ष में स्वयं **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

बगावत की भविष्यवाणी

आजकल कुछ स्वयंभू राजनीतिक विश्लेषक, स्वघोषित जाट-किसान नेता और डॉ. संजय निषाद जैसे कुंठित और असंतुष्ट मंत्री सोशल मीडिया पर भविष्यवाणी कर रहे हैं अथवा बयान दे रहे हैं कि भारत में भी नेपाल जैसे हालात बन सकते हैं! मोदी सरकार के खिलाफ विद्रोह फूट सकता है, क्योंकि भारत में भी बेरोजगारी, महंगाई, आर्थिक असमानता खूब है। खासकर रोजगार को लेकर युवा वर्ग बेहद परेशान है, लिहाजा आक्रोशित है, बगावत पर उतारू हो सकता है! उद्धव की शिवसेना के झोलाटाइप नेता संजय राउत ने तो तब भी भारत में व्यापक बगावत की आशंकाएं जताई थीं, जब श्रीलंका और बांग्लादेश में जन-विद्रोह भडक़े थे। दरअसल भारत की तुलना छोटे, असंतुलित और निरंकुश देशों की अराजकता के साथ नहीं की जा सकती। ऐसे जन-विद्रोह लोकतांत्रिक नहीं माने जा सकते, क्योंकि इनमें पर्याप्त हिंसा, हत्याएं, आगजनी, सरकारी संपत्तियों के विध्वंस समाहित होते हैं। भारत का लोकतंत्र और संविधान भी अप्रतिम और अतुलनीय हैं। ऐसी ही टिप्पणी देश के प्रधान न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई ने भी की है कि हमारा संविधान ऐसा है कि देश स्थिर है और आगे भी रहेगा। प्रधान न्यायाधीश सरकार के 'भोंपू' नहीं हुआ करते। संजय निषाद उप्र सरकार में मंत्री हैं और उनकी पार्टी एनडीए का एक घटक है। उनकी कुंठाओं और असंतोष के मायने सिर्फ ये हैं कि उन्हें अपेक्षित और वांछित हिस्सा नहीं मिल पा रहा होगा! भारत में सबसे अलोकतांत्रिक, तानाशाह, न्यायपालिका पर भी अंकुश रखने वाला दौर 'आपातकाल' (1975-77) का था। तब भी तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के एकतंत्रवादी निर्णयों के खिलाफ विद्रोह नहीं हुआ, बल्कि राजनीतिक लामबंदियां की गईं। देश के बड़े नेताओं-सांसदों, पत्रकारों, लेखकों, गीतकारों आदि को 19 महीने तक जेलों में ठूंसा गया। उन्हें यातनाएं भी दी गईं। जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व वाली 'संपूर्ण क्रांति' बगावत में भी बदल सकती थी, लेकिन भारतीय के संस्कार, मूल्य, विश्वास पूरी तरह लोकतांत्रिक हैं। वह दौर भी अंतहीन नहीं रहा। अंततः चुनाव कराने पड़े और देश को एक नया राजनीतिक नेतृत्व मिला। दरअसल भारत के विभिन्न हिस्सों में कई आंदोलन किए जा चुके हैं। छात्रों, आरक्षणवादियों, आदिवासियों और किसानों के कई बड़े आंदोलन सामने आए हैं, लेकिन निरंकुश, हिंसक विद्रोह एक बार भी नहीं भडक़ा। मोदी सरकार के दौरान ही किसान आंदोलन एक साल से भी अधिक समय तक जारी रहा। कई किसान मारे गए। अंततः तंबू समेटने पड़े। मांगें आज तक भी अपूर्ण हैं, लेकिन किसानों ने देश की निर्वाचित सरकार के खिलाफ बगावत नहीं की। संवाद आज भी जारी हैं। बहरहाल खालिस्तान या पूर्वोत्तर राज्यों के उग्रवाद कोई आंदोलन नहीं, आतंकवाद के करीब थे। उन्हें भी सरकार के साथ संवाद की मेज पर आना पड़ा। दरअसल विश्व की आर्थिक महाशक्तियों के देशों में भी बेरोजगारी, महंगाई, सामाजिक तनाव, विरोध-प्रदर्शन के हालात बने रहे हैं। भारत 146 करोड़ से अधिक की सर्वाधिक आबादी वाला देश है, जिसकी आर्थिक विकास दर औसतन 6 फीसदी से ज्यादा रही है। बेशक टॉप 1 फीसदी लोगों के पास करीब 40 फीसदी संपत्ति है और निचले 50 फीसदी के पास सिर्फ 13 फीसदी है। यह आर्थिक असमानता गुलाम भारत में भी थी और आज स्वतंत्र भारत में भी है। यह अमरीका, जर्मनी, फ्रांस और चीन में भी है। हमारे 543 सांसदों में से 504 सांसद करोड़पति हैं। जो 324 सांसद फिर से 2024 में भी जीत कर आए हैं, उनकी संपत्ति 5 साल में करीब 43 फीसदी बढ़ी है। प्रत्येक भारतीय पर औसतन कर्ज 4.8 लाख रुपए है। यह कर्ज दो साल में करीब 90,000 रुपए बढ़ा है। देश में महंगाई दर 1.55 फीसदी और बेरोजगारी दर 5.2 फीसदी से कुछ अधिक है। बेशक स्थितियां बेहतर हुई हैं, लेकिन कुछ प्रवक्ताओं को आज भी 1970-80 वाला भारत लगता है, जब मुद्रास्फीति 15-20 फीसदी के बीच रहती थी। कमोबेश आज भी भारत में नेपाल जैसी स्थितियां नहीं हैं। कुछ विदेशी, दुराग्रही कंपनियों के डाटा दिखा कर भारत को भी 'नेपाल' या 'श्रीलंका' की तरह चित्रित किया जा रहा है, लेकिन भारत ही ऐसा लोकतंत्र है, जहां सत्ता का हस्तांतरण, चुनाव के बाद, सहजता और सौहार्द से हो जाता है। नेपाल में प्रधानमंत्री का कार्यकाल औसतन एक साल से भी कम रह पाता है, क्योंकि वह बहुमत खो देता है। संविधान और लोकतंत्र की मजबूती ही बुनियादी कारण है, जिसके आधार पर भारत कभी भी नेपाल नहीं हो सकता। यह भी सच्चाई है कि भारत ने हमेशा अपने पड़ोसियों की मदद की है और वहां शांति का समर्थन किया है।

रामचरित मानस

पिछले अंक में आपने पढ़ा था कि एक सुंदर महल जो सब समय (सभी ऋतुओं में) सुखदायक था, वहाँ राजा ने उन्हें ले जाकर ठहराया। तदनन्तर सब प्रकार से पूजा और सेवा करके राजा विदा माँगकर अपने घर गए॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

दो0-रिषय संग रघुबंस मनि करि भोजनु बिश्रामु।
बैठे प्रभु भ्राता सहित दिवसु रहा भरि जामु॥

रघुकुल के शिरोमणि प्रभु श्री रामचन्द्रजी ऋषियों के साथ भोजन और विश्राम करके भाई लक्ष्मण समेत बैठे। उस समय पहरभर दिन रह गया था॥

लखन हृदयँ लालसा बिसेषी। जाइ जनकपुर आइअ देखी॥
प्रभु भय बहुरि मुनिहि सकुचाहीं। प्रगट न कहहिं मनहिं मुसुकाहीं॥

लक्ष्मणजी के हृदय में विशेष लालसा है कि जाकर जनकपुर देख आवें, परन्तु प्रभु श्री रामचन्द्रजी का डर है और फिर मुनि से भी सकुचाते हैं, इसलिए प्रकट में कुछ नहीं कहते, मन ही मन मुस्कुरा रहे हैं॥

राम अनुज मन की गति जानी। भगत बछलता हियँ हुलसानी॥
परम बिनीत सकुचि मुसुकाई। बोले गुर अनुसासन पाई॥

(अन्तर्यामी) श्री रामचन्द्रजी ने छोटे भाई के मन की दशा जान ली, (तब) उनके हृदय में भक्तवत्सलता उमड़ आई। वे गुरु की आज्ञा पाकर बहुत ही विनय के साथ सकुचाते हुए मुस्कुराकर बोले॥

(क्रमशः...)

सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम फैसले में छिपा है संतुलन और संवैधानिकता का संदेश

सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ़ (संशोधन) अधिनियम 2025 पर दिए गए अपने अंतरिम आदेश में एक बार फिर भारतीय न्यायपालिका की उस परंपरा को दोहराया है, जिसमें संसद द्वारा बनाए गए कानून को संवैधानिक रूप से वैध मानने की धारणा सर्वोपरि होती है। न्यायालय ने पूरे कानून पर रोक लगाने से इंकार किया, लेकिन कुछ प्रमुख प्रावधानों पर अस्थायी रोक लगाकर यह संदेश दिया कि कानून बनाने की प्रक्रिया और नागरिक अधिकारों के बीच संतुलन बनाए रखना आवश्यक है।

न्यायालय ने स्पष्ट किया कि वक्फ़ परिषदों और बोर्डों में गैर-मुस्लिम सदस्यों की संख्या सीमित रहनी चाहिए। केंद्रीय वक्फ़ परिषद में चार से अधिक गैर-मुस्लिम सदस्य न हों और राज्य स्तर पर भी इसी प्रकार की सीमा लागू हो। देखा जाये तो यह निर्णय एक संवेदनशील धार्मिक संस्था के चरित्र को बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने यह भी माना कि प्रशासनिक दृष्टि से गैर-मुस्लिम को सीईओ बनाना पूरी तरह असंवैधानिक नहीं है, लेकिन जहाँ तक संभव हो मुस्लिम सीईओ की नियुक्ति ही की जानी चाहिए।

साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने उस प्रावधान पर रोक लगाई, जिसके तहत सरकार किसी भूमि विवाद के दौरान वक्फ़ संपत्ति को डिरेकोग्नाइज़ कर सकती थी। यह प्रावधान separation of powers (शक्तियों का पृथक्करण) के सिद्धांत के विरुद्ध माना गया। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि संपत्ति का अधिकार और स्वामित्व तय करने का अधिकार केवल न्यायाधिकरणों और अदालतों का है, न कि कार्यपालिका का। साथ ही यह भी निर्देश दिया कि जब तक विवाद का अंतिम निपटारा नहीं होता, तब तक वक्फ़ भूमि पर कोई तृतीय पक्ष अधिकार न बनाया जाए।

सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि वक्फ़ परिषदों और बोर्डों में गैर-मुस्लिम सदस्यों की संख्या सीमित रहनी चाहिए। केंद्रीय वक्फ़ परिषद में चार से अधिक गैर-मुस्लिम सदस्य न हों और राज्य स्तर पर भी इसी प्रकार की सीमा लागू हो।

हम आपको बता दें कि मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की पीठ ने इस आदेश में एक बुनियादी सिद्धांत रेखांकित किया— संसद के कानूनों को prima facie वैध मानना चाहिए और केवल असाधारण परिस्थितियों में ही उन पर रोक लगनी चाहिए। यह विचार लोकतंत्र में संसद की सर्वोच्चता और न्यायपालिका की निगरानी—दोनों के बीच सामंजस्य स्थापित करता है।

देखा जाये तो यह आदेश केवल वक्फ़ कानून तक सीमित नहीं है। यह उस व्यापक विमर्श का हिस्सा है, जिसमें धार्मिक संस्थानों के प्रबंधन, अल्पसंख्यक अधिकारों और संविधानिक संतुलन के प्रश्न जुड़े हैं। भारत जैसे बहुधर्मी और बहुसांस्कृतिक समाज में कानून बनाना मात्र एक प्रक्रिया नहीं, बल्कि सामाजिक सौहार्द का संवेदनशील प्रयास भी है।

फैसले को देखें तो सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय न तो वक्फ़ बोर्डों की स्वायत्तता को पूरी तरह नकारता है और न ही सरकार को असीमित अधिकार देता है। यह एक संवैधानिक सेफगार्ड है, जो यह सुनिश्चित करता है कि संसद द्वारा बनाए गए कानून न्याय की कसौटी पर खरे उतरें। अंतिम सुनवाई में जो भी फैसला आएगा, वह न केवल वक्फ़ संस्थानों के भविष्य को प्रभावित करेगा, बल्कि यह भी तय करेगा कि भारत में धार्मिक संपत्तियों और संवैधानिक अधिकारों के बीच संतुलन कैसे साधा जाए।

- नीरज कुमार दुबे

टेंशन बढ़ाती चौपहियाओं को खड़ी करने की समस्या

पिछले दिनों समाचार पत्रों में दो समाचारों की सुर्खियां प्रमुखता से देखी गई। पहला समाचार यह कि एक मोटे अनुमान के अनुसार नोएडा में साल भर में एक लाख से अधिक नए वाहन खरीदे जाते हैं तो दूसरा समाचार दिल्ली से जुड़ा है और इसमें यह कि दिल्ली में कहीं भी जाओं तो वाहन को पार्किंग के लिए खड़ा करने में औसतन 20 मिनट तो लग ही जाते हैं। दोनों समाचार ही देष में आर्थिक उन्नती को दर्शाने के साथ ही लोगों के जीवन स्तर में तेजी से सकारात्मक बदलाव को इंगित करते हैं। पर इसके साथ ही यह भी साफ हो जाता है कि हमारे शहर आज और आने वालों सालों के लिए अभी तक पूरी तरह से तैयार नहीं है। एक और वाहनों की मांग और खरीद बढ़ती जा रही है और इसमें भी बड़ा बदलाव यह देखा जा रहा है कि अब लक्जीरियस वाहनों की खरीद को अधिक प्राथमिकता दी जाने लगी है तो दूसरी और ऑफिस या किसी काम से घर से बाहर निकलने पर वाहन को पार्क करने की समस्या दिन प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है। हालात यहां तक हो गए हैं कि वाहनों की पार्किंग को लेकर तू तू मैं मैं, झगड़ा और मारपीट तो आम होती जा रही हैं वहीं वाहन खड़ा करने को लेकर जानलेवा हमला और जान ले लेने तक के समाचार अखबारों की यदा कदा सुर्खियां बनते जा रहे हैं। रोडरेज की घटनाएं आम होती जा रही है।

एक बात साफ हो जानी चाहिए कि यह समस्या कोई नोएडा या दिल्ली की ही नहीं हैं अपितु कमोबेस यह समस्या देश के किसी भी शहर में गंभीर रुप लेती देखी जा सकती हैं। दरअसल हमारे नगर नियोजकों व शहरी नियामक संस्थाओं ने पार्किंग की समस्या को गंभीरता से लिया ही नहीं है। गांवों को निगलकर शहरों का विस्तार होता जा रहा है तो गगनचुंबी इमारते बनती जा रही है। आबादी का घनत्व और दबाव बढ़ता जा रहा हैं। जिस अनुपात में यह बदलाव आ रहा है उस अनुपात में भविष्य की संभावनाओं और चुनौतियों की और ध्या नही नहीं दिया जा रहा है। आबादी के पास के एक समय के बड़े बड़े बंगले अब मल्टीस्टोरी बिल्डिंग और मॉल्स में तब्दील होते जा रहे हैं। जहां पहले एक बंगले से एक समय में एक या दो वाहनों का ही यातायात दबाव पड़ता था वहीं अब उसी स्थान पर बनें मल्टी स्टोरी में बहुत से फ्लेट्स होने के कारण बहुत से परिवार रहने के कारण औसतन डेढ़ गाड़ी का दबाव भी माना जाएं तो साफ हो जाता है कि रोड पर वाहनों का दबाव तो पड़ेगा ही। जहां तक मॉल्स का सवाल है अधिकतर माल्स में पार्किंग की सुविधा तो होती है पर अधिकांश पार्किंग तो माल्स में बिजनस प्रतिष्ठानों के मालिकों, कार्मिकों आदि से ही भर जाते हैं तो वहां आने वालों के लिए पार्किंग की समस्या बन ही जाती है। पार्किंग की समस्या को लेकर भी दो तरह की समस्या से दो चार होना पड़ रहा है। एक तो यह कि अब घरों कालोनियों में भी वाहन पार्किंग की समस्यां गंभीर होती जा रही है। इसका बड़ा कारण एक ही परिवार में एक से अधिक वाहनों और वह भी लक्जीरियस वाहन एमयूवी/एसयूवी का होना आम होता जा रहा है तो दूसरी और सार्वजनिक परिवहन साधनों की योजनाबद्ध उपलब्धता नहीं होना है। कहने को तो अब ओला-उबेर की बात की जाने लगी है या दिल्ली-मुंबई जैसे बड़े शहरों में मेट्रो ट्रेन की बात की जा सकती है पर समस्या का समाधान यह इसलिए नहीं है कि नई कालोनियों के विकास के अनुसार इनकी सहज उपलब्धता का सवाल भी होता है।

भले ही यह बात थोड़ी अजीब अवश्य लगे पर अब शहरों में घरेलू या यों कहें कि निजी चौपहिया वाहनों की पार्किंग की समस्या गंभीर होती जा रही है। यह सही है कि यह समस्या केवल और केवल हमारे महानगरों तक सीमित ना होकर दुनिया के अधिकांश देशों के सामने तेजी से विस्तारित होती जा रही है।

दुनिया के देश चौपहिया वाहनों की पार्किंग समस्या से दो चार हो रहे हैं और इस समस्या के समाधान के लिए अनेक विकल्पों पर मंथन कर रहे हैं। यहां तक की पार्किंग शुल्क से अच्छी खासा आय होने लगी है। अकेले भारत की ही बात करें तो देश में पांच करोड़ से अधिक कारें चलन में हैं और हर साल में इसमें इजाफा ही होता जा रहा है। एक मोटे अनुमान के अनुसार दिल्ली में उपलब्ध कारों की पार्किंग के लिए ही चार हजार से अधिक फुटवाल के मैदानों जितनी जगह की आवश्यकता है। अगर दिल्ली की ही पार्किंग से आय की बात करें तो यह कोई 9800 करोड़ से अधिक की हो जाती है। देश के किसी भी कोने में किसी भी शहर की गलियों में निकल जाएं तो देखेंगे कि गलियों में घरों के बाहर सड़क की आधी जगह तो कारों के पार्किंग से ही सटी होती हैं। यानी कि एक ही घर में एक से अधिक कार/वाहन होना अब आम होता जा रहा है। किसी भी शहर में आफिस या बाजार खुलने बंद होने के समय तो जाम लग जाना आम होता जा रहा है। यह सब तो तब है जब आबादी की तुलना में कारों की संख्या कम है। आने वाले सालों में कारों की संख्या में इजाफा ही होगा। इसमें कोई दो राय नहीं हो सकती।

दरअसल इस सबके अनेक कारणों में से उपनगर विकसित करने पर ध्यान नहीं देना, व्यस्ततम स्थानों पर ही बहुमंजिला इमारतें बनाने की छूट देना, शहरी सार्वजनिक यातायात तंत्र का विकसित नहीं होना, वाहनों की खरीद सहज होना और वाहनों की पार्किंग के लिए दूरगामी योजना का अभाव होना माना जा सकता है। दरअसल चौपहिया वाहनों की जिस तरह से सुगम ऋण सुविधा व पैसों के तेजी से बढ़ते प्रवाह के कारण सहज पहुंच हुई है उसका एक सकारात्मक परिणाम यह सामने आया हैं कि जिस तरह से अमीर गरीब सभी के लिए मोबाइल आम होता जा रहा हैं ठीक उसी तरह से चौपहिया वाहन आम होता जा रहा हैं।

अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी की माने तो 2050 तक दुनिया के देशों में केवल और केवल कारों की पार्किंग के लिए ही 80 हजार वर्ग किलोमीटर स्थान की आवश्यकता होगी। इसका मतलब यह कि छोटा मोटा देश आसानी से इस जगह में समा सके। शहरी विकास संस्थाओं और योजना नियंताओं को निजी कारों की पार्किंग को लेकर ठोस कार्ययोजना तैयार करनी ही होगी। मजे की बात यह है कि अब कार बाजार इलेक्ट्रिक कारों में शिफ्ट होता जा रहा है, ऐसे में चार्जिंग स्टेशनों के लिए भी समय रहते जगह तलाशनी होगी। पेड पार्किंग स्थानों पर ऑटोमेटिक बहुमंजिला पार्किंग व्यवस्था हो तो और भी अधिक सुविधाजनक हो सकती है। बहु मंजिला इमारतों और माल्स में भी पार्किंग की अधिक सुविधा होना समय की मांग हो गई है। दरअसल इस सबके लिए समय रहते दूरगामी नीति बनानी होगी ताकि समस्या सुरसा के मुंह की तरह बढ़ नहीं जाएं। वास्तुकारों और नियोजकों के लिए यह अपने आप में चुनौती पूर्ण काम हो गया है। किराए की पार्किंग व्यवस्था सस्ती व सहज उपलब्धता वाली भी होनी चाहिए। शहरी निकाय संस्थाओं को इस और गंभीरता से प्रयास करने होंगे वहीं कोलोनाइजरों को भी इस दिशा में पहले से ही रोडमेप बनाकर चलना होगा नहीं तो आने वाले समय में यह एक और नई समस्या दस्तक देने वाली है। सरकार के सामने दोहरी चुनौती है एक और तो ऑटोमोबाईल उद्योग को बढ़ावा देना है तो दूसरी और पार्किंग की समस्या का कोई ना कोई योजनाबद्ध सहज हल खोजना होगा।

- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

राशिफल

भाद्रपद माह, शुक्ल पक्ष दशमी — **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
व्यावसायिक सफलता की प्रबल योग बन रहे हैं। प्रेम, संतान का साथ होगा। व्यापार बहुत अच्छा होगा।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
धन आगमन होगा। कुटुंबों में वृद्धि होगी। बहुत ही अच्छे किस्म के रसास्वादन करेंगे। स्वास्थ्य बहुत अच्छा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
सौम्यता के प्रतीक बने रहेंगे। आकर्षण के केंद्र बने रहेंगे। शुभ व्यक्ति माने जाएंगे।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
खर्चों की अधिकता रहेगी। यद्यपि खर्च शुभ कार्यों में होगा लेकिन खर्च इतना की कर्ज की स्थिति आ सकती है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
आय के नवीन स्रोत बनेंगे। पुराने स्रोत से भी पैसे आएंगे। अत्यंत शुभ समाचार की प्राप्ति होगी।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
कोर्ट कचहरी में विजय मिलेगी। राजनीतिक लाभ होगा। पिता का साथ होगा। उच्च अधिकारियों का आशीर्वाद मिलेगा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
भाग्यवर्धक दिनों का निर्माण हो रहा है। यात्रा परम सुखदायक होगी। भाग्यवश कुछ काम बनेंगे।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
चोट चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। हालांकि कुछ ज्ञान प्राप्ति के योग चल रहे हैं।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
शादी, ब्याह तय होने के संकेत हैं। प्रेमी, प्रेमिका की मुलाकात संभव है और जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
शत्रु भी मित्रवत व्यवहार करेंगे। बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा। गुण, ज्ञान की प्राप्ति होगी।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, सो, द)
विद्यार्थियों के लिए अत्यंत शुभदायक। फिल्मकारों के लिए, लेखकों के लिए, कवियों के लिए।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
भूमि, भवन, वाहन की खरीदारी का प्रबल योग बन रहा है। घर में कुछ उत्सव संभव है।

उपमुख्यमंत्री ने किया नीतीश भाटी का स्वागत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)।

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय में कमर्शियल पायलट नीतीश भाटी निवासी ग्राम डाढा को शाल, पटका व गुलदस्ता देकर स्वागत किया।

इस मौक़े पर भाजपा के जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा व सांसद डॉ. महेश शर्मा, मनोज डाढा, चैनपाल प्रधान, अमित भाटी, सुरेश पंडित, अर्पित तिवारी एवं दिनेश भाटी उपस्थित रहे।

उपमुख्यमंत्री ने किया जनसंवाद

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय के सभागार में उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक के नेतृत्व में कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि देश में 2014 से पहले देश में भ्रष्टाचार चरम पर था देश में बड़े बड़े घोटाले हुए थे और आज देश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश और आदित्यनाथ योगी के नेतृत्व में प्रदेश में विकास कार्य हो रहे हैं। सपा कार्यकाल में प्रदेश में भ्रष्टाचार अराजकता का माहौल था। सपा के शासनकाल में प्रदेश के प्रत्येक जनपद में एक मुख्यमंत्री बना बैठा हुआ था और पूरे प्रदेश में लूटपाट और भय का वातावरण था और आज प्रदेश मे विकास कार्यों की सैकड़ों योजनाओं के साथ आज प्रदेश में आज भ्रष्टाचार भय मुक्त माहौल की सरकार चल रही हैं।

संवाद करते हुए कार्यकर्ताओं के प्रश्न बिल्डर के द्वारा फ्लैट रजिस्ट्री authority द्वारा गाँव के विकास कार्य या नोएडा ग्रेटर नोएडा में नगर निगम बनाने की माँग और प्राधिकरणों के बोर्ड मीटिंग में जन प्रतिनिधियों को शामिल करने की माँग आदि मुख्य बातों को रखा। उन्होंने इन बातों को अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में निस्तारण करने के आदेश दिये।

इस अवसर पर सांसद डॉ. महेश शर्मा, एमएलसी नरेन्द्र सिंह भाटी, विधायक धीरेंद्र सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी, पूर्व विधायक नवाब सिंह नागर, जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा और महानगर अध्यक्ष महेश चौहान, विजय भाटी, विमला बाथम, बिजेन्द्र भाटी, सुषमा सिंह, धर्मेन्द्र कोरी, सतेन्द्र नागर, कर्मवीर आर्य, मनोज गर्ग, राहुल पंडित, राज नागर, डिम्पल आनंद, सत्यपाल शर्मा, पंकज रावल, सुशील भाटी, अर्पित तिवारी, मनोज भाटी, राजीव सिंघल, गुरुदेव भाटी, सुनील ठाकुर, जितेन्द्र भाटी, मनीष शर्मा सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

उपमुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

नोएडा (चेतना मंच)। ग्राम गढ़ी शहदरा स्थित प्राथमिक स्कूल का निरीक्षण करने पहुंचे उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक को ग्राम विकास समिति गढ़ी शहदरा के अध्यक्ष सुभाष भाटी ने समस्याओं से संबंधित एक ज्ञापन दिया।

गांव के प्राइमरी स्कूल को इंटर कालेज तक करने की मांग की ओर एक लायब्रेरी खोलने व खेल का मैदान बनाने की मांग की गांव मे गंदगी बहुत रहती है सफाई ठीक से नहीं होती है और गांव मे आज तक सीवर की लाइन को मैन लाइन से नहीं जोड़ा गया है किसानों की आबादी का निस्तारण आज तक नहीं हुआ है और न ही 10 प्रतिशत आबादी प्लॉट मिला है इन सब बातों को लेकर उप मुख्यमंत्री को ज्ञापन दिया इस मौके पर वीरसिंह प्रधान सुभाष भाटी हरिपाल प्रधान पवन बेसोया देवीराम हवलदार धन्नू भाटी दिनेश भाटी प्रमोद भाटी गिरिराज शर्मा कपिल भाटी नवीन भाटी गुली भाटी हरदत्त शर्मा आदि ग्रामीण उपस्थित रहे।

भाजपा नेता ने बताई उपमुख्यमंत्री को अपनी पीड़ा

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री के कल जनपद आगमन पर भाजपा नेता एवं शहदरा गांव निवासी नवीन भाटी ने अपनी पीढ़ा उपमुख्यमंत्री से बताई।

बताते चलें कि कल प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक गौतमबुद्धनगर जनपद के दौरे पर थे। इसी कड़ी में उन्होंने कल पार्टी कार्यकर्ताओं की एक बैठक बुलाई थी। बैठक जैसे शुरू हुई वैसे ही भाजपा नेता नवीन भाटी ने अपनी पत्नी के ऊपर फर्जी ढंग से लगे मुकदमे का मुद्दा उठा दिया जिस पर सैकड़ों की संख्या में बैठे कार्यकर्ताओं में सन्नाटा छा गया।

उन्होंने कहा कि मेरी पत्नी के ऊपर फर्जी ढंग से पुलिस ने मुकदमा लाद दिया। लेकिन सरकार एवं जनप्रतिनिधियों ने मेरी कोई मदद नहीं कि उन्होंने उपमुख्यमंत्री से न्याय दिलाने की मांग करते हुए कहा कि हम जैसे कार्यकर्ता पार्टी के लिए पूरा जीवन में लगा दिए लेकिन जब हमारी मदद की बात आई तो सभी ने पल्ला झाड़ लिया।

जनसेवा के रूप में मनेगा प्रधानमंत्री का जन्मदिन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा बिसरख मंडल के अध्यक्ष वीरपाल भाटी ने कहा कि प्रधानमंत्री का जन्मदिन जन सेवा पखवाड़ा के रूप में मनाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि कल से आगामी 2 अक्टूबर गांधी जयंती तक यह आयोजन पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने जब से देश की कमान संभाली है देश तरक्की कर रहा है। उन्होंने कहा कि 17 सितंबर से प्रधानमंत्री का जन्मदिन जिले के अलग-अलग स्थान पर पार्टी कार्यकर्ता जन सेवा के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। उन्होंने सभी पार्टी कार्यकर्ता के पदाधिकारी से कार्यक्रम में भारी-भारिक संख्या में पहुंचने की अपील की है।

तिगड़ी रोटरी से चार मूर्ति चौक तक की सर्विस रोड होगी दुरुस्त

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में गौड़ सिटी के आसपास लगने वाले ट्रैफिक जाम को खत्म करने के लिए प्राधिकरण प्रयासरत है। चार मूर्ति चौक पर अंडरपास के निर्माण के साथ ही प्राधिकरण अब चार मूर्ति चैक के तिगड़ी गोलचक्कर के बीच सर्विस रोड को दुरुस्त करने पर काम कर रहा है। प्राधिकरण सर्विस रोड को चौड़ी करने के साथ ही मरम्मत भी कराएगा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार के निर्देश पर परियोजना विभाग के वर्क सर्किल एक ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ सुमित यादव ने बताया कि चार मूर्ति चौक से तिगड़ी रोटरी के बीच 60 मीटर चौड़ी सड़क की सर्विस रोड पर ट्रैफिक का दबाव अधिक है। इसे ध्यान में रखते हुए सर्विस रोड को 5.50 मीटर के स्थान पर 10.50 मीटर चौड़ी किए जाने की योजना है। सर्विस रोड चौड़ी हो जाने से वाहनों की आवाजाही सुगम हो जाएगी। वहीं, चार मूर्ति चौक पर अंडरपास का निर्माण कार्य भी चल रहा है। यह कार्य पूर्ण होने पर चौराहे पर ट्रैफिक की समस्या खत्म हो जाएगी। अंडरपास के निर्माण के चलते ट्रैफिक डायवर्जन भी किया गया है, जिससे गौड़ सिटी वन के पास स्थित सर्विस रोड पर बनी पुलिया संकरी होने के कारण ट्रैफिक जाम लग रहा है। इस पुलिया को भी जल्द ही चौड़ा किया जाएगा। वर्तमान समय में यह पुलिया 5.50 मीटर चौड़ी है। इसे भी 10.50 मीटर चौड़ी करने का तैयारी है। पुलिया के चौड़ीकरण का कार्य शुरू हो गया है। वहीं, एसीईओ सुमित यादव ने हाल ही में गौड़ सिटी और उसके आसपास की एरिया का विजिट किया है और मौजूदा सड़कों पर बने गड्ढों को तत्काल भरने के निर्देश दिए हैं।

भू-माफियाओं ने कर दिया बड़ा खेल

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। कुलेसरा पुस्ता पर स्थित बाबा मोहन राम मंदिर वाली गली में स्थित एमएलसी की जमीन पर कब्जा करने वाले भूमाफियाओं के खिलाफ प्राधिकरण कार्रवाई करने से कतरा रहा है।

यह जमीन एमएलसी की काफी समय से खाली पड़ी थी जिस पर भूमाफिया ने कब्जा कर अवैध रूप से कॉलोनी काटने का काम कर दिया। इस बात की शिकायत ग्रामीणों द्वारा कई बार ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण अधिकारियों पुलिस एवं प्रशासन के अफसरों से की गई लेकिन कार्रवाई के नाम पर सब शून्य रहा।

भूमाफियाओं का इतना बोलबाला है कि यही भूमाफिया लखनावली के डूब क्षेत्र में खाली जमीन पर भी अवैध कालोनी काटने का तना-बना बुन रहे हैं। यदि मामले की जांच की जाए तो उसमें कई लोगों की गर्दन फंस सकती है। वहीं भोले-भाले लोगों को ठगने वाले इन भूमाफियाओं के खिलाफ आखिर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी कार्रवाई क्यों नहीं कर रहे हैं। यह चर्चा का विषय बना हुआ है। खसरा संख्या 595 जो करोड़ों रूपये मूल्य की जमीन बताई जा रही है।

इफको फूलपुर में विश्व हिंदी सम्मेलन का आयोजन

प्रयागराज(चेतना मंच)। इफको फूलपुर इकाई में हिंदी सप्ताह का शुभारंभ प्रशिक्षण केन्द्र के सभागार में हुआ। वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक (इकाई प्रमुख) संजय कुदेशिया ने कहा कि भारत की संविधान सभा ने 14 सितंबर 1949 को हिंदी को राजभाषा घोषित किया तथा हिंदी का वैश्विक प्रचार करने के उद्देश्य 10 जनवरी 1975 को नागपुर में पहला विश्व हिंदी सम्मेलन आयोजित किया गया था।

उन्होंने कहा कि हमारी पहचान हिंदी भाषा से है तथा यह सभी देशवासियों को जोड़ने वाली भाषा है। महाप्रबंधक उत्पादन संजय भंडारी ने कहा कि यह वह भाषा जिसने हमें तुलसीदास, सूरदास,कबीरदास, प्रेमचंद जैसे रत्न दिये है, ये हमारी पहचान है तथा हमें अपनी मातृभाषा पर गर्व है। महाप्रबंधक अनुरक्षण पीके सिंह ने कहा कि हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग करें तथा इसका प्रचार करें। हिंदी कार्यसमिति के संयोजक अनिल कुमार गुप्ता ने कहा कि हिंदी दिवस हिंदी भाषा के गौरव को आत्मसात करने का दिन है।

उन्होंने कहा कि हिंदी का प्रयोग हर क्षेत्र में करें हमें हिंदी को विश्व भाषा के रूप में विकसित करने का प्रयास करना चाहिए। इसके अतिरिक्त निबंध एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में इफको कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन हेमलता सिजोरिया ने किया। इस दौरान महाप्रबंधक क्रमशः पी.के.पटेल,रत्नेश कुमार,संयुक्त महाप्रबंधक क्रमशः अरूण कुमार, अरवेन्द्र कुमार,पी.के.त्रिपाठी, विभागाध्यक्ष मानव संसाधन शम्भू शेखर तथा बड़ी संख्या इफको कर्मचारी मौजूद रहे।

सीटू जिला कमेटी का त्रिवार्षिक जिला सम्मेलन 21 सितंबर को

नोएडा (चेतना मंच)। सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन सीटू जिला कमेटी का त्रिवार्षिक नौवां जिला सम्मेलन 21 सितंबर को सामुदायिक केंद्र अंबेडकर भवन सूरजपुर में पर होगा। सम्मेलन की तैयारी को लेकर आज सीटू जिला कमेटी के कार्यकर्ताओं की बैठक सीटू कार्यालय सेक्टर- 8 पर हुई, जिसमें सम्मेलन की तैयारी पर चर्चा की गई।

बैठक की जानकारी देते हुए सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा ने बताया कि बैठक में सम्मेलन की तैयारी को लेकर प्रचार अभियान को तेज करने का निर्णय लिया गया है। सम्मेलन में हम अपने पिछले 3 साल के कामकाज की समीक्षा और आगामी 3 वर्षों की कार्य योजना/ दिशा तय करेंगे साथ ही नई जिला कमेटी का चुनाव किया जाएगा साथ ही जिले के ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा कर संघर्ष की रूपरेखा तय की जाएगी।

बैठक में सीटू दिल्ली एनसीआर राज्य अध्यक्ष कामरेड वीरेंद्र गौड़, महासचिव कामरेड पीवी अनियन, सीटू जिला कमेटी के नेता रामसागर, गंगेश्वर दत्त शर्मा, रामकिशन सिंह, टीकम सिंह, पारस रजक, मुकेश कुमार राघव, रामस्वारथ, हुकम सिंह, सुनील पंडित, अंकुश, हरी गुप्ता, कपिल पासवान, नरेंद्र पांडे, इशरत, भरत डेंजर, अरुण पटेल, धर्मेंद्र गौतम, बलराम चौधरी राजकरण सिंह आदि मौजूद रहे।

उत्तर रेलवे

निविदा आमंत्रण सूचना

कार्य का नाम और इसकी स्थिति	26-SRDEE-G-DLI-2025-26-E3 डीबीएसआई में मौजूदा पुराने शस्त्रागार को वीवीआईपी लाउंज में परिवर्तित करने के संबंध में विद्युत कार्य।
निविदा की अनुमानित लागत	रु. 21,89,781.00
कार्यालय का पता	वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियन्ता/जी, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली
बयाना राशि	रु. 43,800.00
निविदा निवेदन की दिनांक व समय	07.10.2025, 16:00 बजे
निविदा खोलने की दिनांक व समय	07.10.2025, 16:00 बजे
वेबसाइट व नोटिस बोर्ड	www.ireps.gov.in वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियन्ता/जी, नई दिल्ली

2828/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू.पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340

E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

पृष्ठ एक के शेष....

देहरादून और मंडी...

हालात इतने खराब थे कि रात में ही भगदड़ मच गई। लोगों ने घरों की छतों पर चढ़कर अपनी जान बचाई। पुलिस ने रात में ही रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया।

मंडी के एसपी साक्षी वर्मा ने बताया, मंडी ज़िले के निहरी इलाके में भूस्खलन के बाद तीन लोगों की मौत हो गई और दो अन्य को बचा लिया गया. भूस्खलन में चट्टान का मलबा एक घर पर गिर गया, जिससे पूरा घर ढह गया।

मौसम विभाग के मुताबिक, हिमाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में सोमवार को बारिश हुई, जबकि कुछ इलाकों में आंधी-तूफान आया, जिसके कारण तीन राष्ट्रीय राजमार्गों सहित 493 सड़कें यातायात के लिए बंद रहीं। स्थानीय मौसम विभाग ने बताया कि सोमवार शाम तक पिछले 24 घंटों में जोगिंदरनगर में 56 मिमी बारिश हुई, जबकि पालमपुर में 48 मिमी, पंडोह में 40 मिमी और कांगड़ा में 34.2 मिमी बारिश हुई। इस बीच, नगरोटा सूरियां में 30 मिमी, मंडी में 27.5 मिमी, सराहन में 18.5 मिमी, मुरारी देवी में 18.2 मिमी, भरेरी में 17.6 मिमी और करसोग में 17 मिमी बारिश हुई।

सहस्त्रधारा में...

हालात लगातार बिगड़ रहे हैं। भारी बारिश में देहरादून के पास पुल का हिस्सा भी बह गया। देहरादून-हरिद्वार हाइवे पर फन वैली के पास ये तबाही दिखी।

देहरादून में मालदेवता के पास सौंग नदी का रौद्र रूप देखने को मिल रहा है. ब्रिज तोड़ते हुए नदी बेकाबू रफ्तार से बह रही है। मौसम को देखते हुए पहली क्लास से लेकर 12वीं तक के सभी स्कूलों में आज बंद रहेंगे। ऋषिकेश में भी चंद्रभागा नदी उफान पर है. पानी हाईवे तक आ पहुंचा है। नदी के बहाव में कई गाड़ियां और लोग फंस गये। तीन लोगों को एसडीआरएफ की टीम ने चंद्रभागा नदी से रेस्क्यू किया है।

लखपति दीदी के लक्ष्यों ...

सहायता समूह के 75 लाख स्वयं सहायता समूह सदस्यों के वार्षिक पारिवारिक आय का सर्वेक्षण करवाया गया था।लखपति महिला के लक्ष्य को पूर्ण करने हेतु आजीविका का सार्वभौमिकरण किया जा रहा है, जिससे स्वयं सहायता समूह के परिवारों के स्तर पर सतत रूप से आजीविका संवर्धन हो सके ढ इस क्रम में प्रत्येक स्वयं सहायता समूह के सदस्यों को कम से कम दो या अधिक आजीविका के स्त्रोत से जोडना, आवश्यक है।

लखपति महिला के लक्ष्य की प्राप्ति को सुनिश्चित करने हेतु समन्वय समिति का गठन किया गया, जिससे अंतर्विभागीय अभिसरण सुनिश्चित किया गया। यह समन्वय समिति केंद्र, राज्य, जनपद एवं विकासखंड स्तर पर गठित की गई है। प्रदेश मे लक्ष्य पूर्ति के लिए 34269 से अधिक लखपति कम्युनिटी रिसोर्स पर्सन (सी0आर0पी0) को प्रशिक्षण दिया गयाढ़ इन सी0आर0पी0 दीदियों द्वारा प्रत्येक लखपति महिला के सापेक्ष आजीविका रजिस्टर बनाने का कार्य किया गया।

राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से प्राप्त जानकारी के अनुसार मिशन अंतर्गत प्रदेश में रेशम विभाग, कृषि विभाग, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग (ICDS), पंचायती राज, राजस्व विभाग (आपदा प्रबन्धन) सूक्ष्म लघु एवं मध्यम (MSME), पशु पालन, मनरेगा, सहकारिता, डेरी, स्वास्थ्य, समाज कल्याण, मत्स्य, पर्यटन तथा भूमि संरक्षण आदि विभागों (16 से अधिक) के साथ अभिसरण द्वारा वृहद् रूप से महिलाओं को जोड़ते हुए आजीविका संबर्धन द्वारा महिलाओ को स्वावलंबी बनाने की दिशा में कार्यवाही प्रचलित है ।

मोबाइल छीनकर...

पीछे से बाइक पर आए दो बदमाशों ने उसके हाथ से मोबाइल फोन छीन लिया। उसने बदमाशों को पकड़ने का प्रयास किया लेकिन वह बाइक पर बैठकर रफू चक्कर हो गए। बाइक की गति तेज होने के कारण वह नंबर भी नहीं देख पाया। पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरा की फुटेज को खंगाल कर बदमाशों की पहचान का प्रयास किया जा रहा है।

पीजी से उड़ाया ...

बताया कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने खिड़की से हाथ डालकर बिस्तर पर रखा लैपटॉप चोरी कर लिया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

'ऑपरेशन सिंदूर' में ...

का ये पूरा अड्डा तबाह हो गया। जैश के इसी अड्डे में आतंकी मसूद अजहर का परिवार रहता था। सैटेलाइट इमेज से मिली तस्वीरें बताती है कि भारत के हमले में मरकज सुब्हान अल्लाह मलबे में तब्दील हो गया।

उपमुख्यमंत्री का जनपद भ्रमण, गौशाला, स्कूल व जिम्स का निरीक्षण

नोएडा (चेतना मंच)। उपमुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश बृजेश पाठक ने जनपद गौतमबुद्धनगर का भ्रमण किया। भ्रमण कार्यक्रम के अंतर्गत उपमुख्यमंत्री सर्वप्रथम श्री कृष्णा मां जलपा भवानी गौशाला, सेक्टर-14, नोएडा पहुंचे, जहाँ उन्होंने गौशाला का स्थलीय निरीक्षण कर गौशाला की व्यवस्थाओं का गहनता से अवलोकन किया।

निरीक्षण के दौरान उपमुख्यमंत्री ने गौशाला में गोवंश को उपलब्ध कराए जा रहे हरे चारे, स्वच्छ पेयजल, चिकित्सीय सुविधाओं तथा स्वच्छता व्यवस्था का विशेष रूप से संज्ञान लिया। उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रतिदिन समय से गोवंश को पर्याप्त मात्रा में ताजा हरा चारा एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जाए।

इसके उपरांत उपमुख्यमंत्री उच्च प्राथमिक विद्यालय गढ़ी शाहदरा, नोएडा पहुंचे, जहाँ उन्होंने विद्यालय का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कक्षाओं, कंप्यूटर लैब, डिजिटल क्लास, स्वच्छता, पेयजल आपूर्ति, शौचालयों एवं विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध कराई जा रही अन्य मूलभूत सुविधाओं का गहन परीक्षण किया।

उपमुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कक्षाओं में जाकर बच्चों से संवाद भी किया तथा विद्यालय में मिल रही सुविधाओं, मिड डे मील, ड्रेस, किताबों एवं शिक्षण व्यवस्था के संबंध में बच्चों से प्रत्यक्ष फीडबैक प्राप्त किया, जोकि संतोषजनक पाई गई।

उपमुख्यमंत्री राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ग्रेटर नोएडा पहुंचे, जहाँ उन्होंने निर्माणाधीन सीसीयू ब्लॉक का स्थलीय निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने नवीन सीटी स्कैन मशीन एवं डिजिटल एक्स-रे मशीन का विधिवत उद्घाटन कर मरीजों के लिए सेवाओं का शुभारंभ किया।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार जनता को उच्चस्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। चिकित्सालयों में आधुनिक तकनीक पर आधारित नवीनतम मेडिकल उपकरण एवं सुविधाएँ स्थापित की जा रही हैं, जिससे गंभीर से गंभीर रोगों का समय पर एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार सुनिश्चित हो सके।

उपमुख्यमंत्री जी ने यह भी कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के उन्नयन के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं। नए अस्पतालों का निर्माण, अत्याधुनिक उपकरणों की स्थापना एवं विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जा रही है, जिससे आमजन को प्रदेश में ही विश्वस्तरीय चिकित्सा सुविधाएँ मिल सकें।

इस दौरान उपमुख्यमंत्री के साथ सांसद डॉ महेश शर्मा, विधायक जेवर धीरेंद्र सिंह, जिलाध्यक्ष भाजपा अभिषेक शर्मा, महानगर भाजपा अध्यक्ष महेश चौहान, अन्य जनप्रतिनिधी, जिलाधिकारी मेधा रूपम, मुख्य विकास अधिकारी डॉ शिवाकांत द्विवेदी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर नरेंद्र कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पवार, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. अरुण कुमार तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

उपमुख्यमंत्री की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक

नोएडा (चेतना मंच)। उपमुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश बृजेश पाठक ने अपने जनपद भ्रमण कार्यक्रम के अंतर्गत गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के सभागार में जनपद स्तरीय अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस दौरान उन्होंने प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार पूरी तरह से जन-सेवा और सुशासन के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। शासन की मंशा है कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक प्रत्येक सरकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी भेदभाव, समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पहुँचे। जिलाधिकारी मेधा रूपम ने उपमुख्यमंत्री को आश्वस्त किया गया कि जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं आमजन की समस्याओं के निस्तारण हेतु जो आवश्यक दिशा निर्देश आपके द्वारा प्रदान किए गए हैं उनका अधिकारियों के माध्यम से पालन सुनिश्चित कराया जाएगा। इस बैठक में सांसद डॉ. महेश शर्मा, विधायक जेवर धीरेंद्र सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी, जिलाध्यक्ष भाजपा अभिषेक शर्मा, महानगर भाजपा अध्यक्ष महेश चौहान, नगर पालिका दादरी अध्यक्ष गीता पंडित, जिलाधिकारी मेधा रूपम, अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण लक्ष्मी वीएस, मुख्य विकास अधिकारी डॉ. शिवाकांत द्विवेद्वी, सभी संबंधित अधिकारियों सहित पुलिस एवं प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

ग्रेटर नोएडा के गांवों में बने पंचायत भवनों में खुलेंगी ई-लाइब्रेरी

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के अधीन गांवों में बने पंचायत भवनों को ई-लाइब्रेरी में तब्दील किया जाएगा। प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार की पहल पर गांवों में चरणबद्ध तरीके से ई-लाइब्रेरी का निर्माण किया जाएगा। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले प्रतिभागियों को लाभ होगा।

दरअसल, प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांवों में पंचायत चुनाव की व्यवस्था समाप्त हो चुकी है। इन गांवों में बिजली, पानी, सड़क, स्कूल जैसी सभी जरूरी विकास कार्य प्राधिकरण की तरफ से कराए जाते हैं। क्षेत्र के गांवों में स्थित पंचायत भवनों की उपयोगिता अब नहीं रही है। साथ ही देखरेख के अभाव में ये जर्जर भी हो रहे हैं। इसे देखते हुए प्राधिकरण ने पंचायत भवनों को उपयोग में लाने के लिए पंचायत भवनों को ई-पुस्तकालय में बदलने की योजना बनाई है। ग्रामीण भी इसके लिए मांग कर रहे हैं। प्राधिकरण के वर्क सर्किल 8 के अंतर्गत ग्राम सलेमपुर गुर्जर, घंघौला, रौनी, अस्तौली, नवादा, पंचायतन व देवटा में ई-पुस्कालय खोले जाएंगे। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ सुमित यादव ने बताया कि इन गांवों में स्थित पंचायत भवनों का नवीनीकरण कर ई-पुस्तकालय में तब्दील किया जाएगा। इसके साथ ही हतेवा, नवादा, घंघौला और बिसायच में ई-पुस्तकालय के लिए नए भवन बनाये जाएंगे। इसके लिए जगह चिन्हित कर ली गई है। निविदाएं की प्रक्रिया जारी है। ई-पुस्तकालय में जरूरी सुविधाओं के साथ ही शौचालय का भी निर्माण किया जाएगा।

वहीं, कुछ गांवों में स्थित पंचायत घरों में पहले से ही आपसी सहयोग से पुस्तकालय का संचालन किया जा रहा है। गांवों में ई-पुस्तकालय खुलने से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्रों को सुविधा हो जाएगी। ग्रामीण क्षेत्र के युवक-युवतियों को शांतिपूर्ण माहौल में पढ़ाई करने का अवसर मिलेगा।

जिम्स में एडिशनल सिटी स्कैन व डिजिटल एक्स-रे मशीन का शुभारंभ

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान जिम्स का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल में एडिशनल सिटी स्कैन और डिजिटल एक्सरे मशीन का भी शुभारंभ किया।

उपमुख्यमंत्री सोमवार को ग्रेटर नोएडा स्थित जिम्स अस्पताल पहुंचे इस दौरान उन्होंने कहा कि सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है। इसी कड़ी में जिम्स में मरीजों की सुविधाओं के लिए एडिशनल स्टिंग स्कैन और डिजिटल एक्सरे मशीन लगाई गई है जिससे मरीज को यहां सुपर स्पेशलिटी सुविधा मिल सके।

जिम्स के निदेशक ब्रिगेडियर डॉक्टर राकेश गुप्ता ने उपमुख्यमंत्री को बताया कि अस्पताल में मरीजों को बेहतर उपचार प्रदान किया जा रहा है। अस्पताल में लगी सिटी स्कैन और डिजिटल एक्सरे मशीन की वजह से एक बड़े वर्ग को राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि इन मशीनों से सैकड़ो रोगों की प्रतिदिन जांच हो सकेगी और परीक्षण का समय भी कम हो सकेगा।

इस मौके पर उपमुख्यमंत्री ने अस्पताल के प्रोफेसर डॉक्टर सत्येंद्र कुमार, प्रोफेसर डॉक्टर विकास सक्सेना, प्रोफेसर डॉ मनीष सिंह, प्रोफेसर डॉक्टर हुकुम सिंह, एसोसिएट्स प्रोफेसर डॉ किरण जाखड़, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ रश्मि उपाध्याय और असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सोनम सिंह को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

19 सितंबर की महापंचायत में मुख्य अतिथि होंगे गौरव टिकैत

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय किसान यूनियन जोर-शोर से शुरू हो गई है। महापंचायत में गौरव टिकैत मुख्य वक्त के रूप में हिस्सा लेंगे।

भाकियू के जिलाध्यक्ष अशोक भाटी ने जानकारी देते हुए बताया कि सोमवार को ग्रेटर नोएडा स्थित बीरोंडी भाकियू जिला कैंप कार्यालय पर कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों की बैठक हुई।

बैठक में पंचायत की रणनीति पर विस्तृत चर्चा हुई। जिलाध्यक्ष अशोक भाटी ने बताया कि नोएडा प्राधिकरण, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण, यमुना विकास प्राधिकरण सहित पुलिस उपायुक्त, ट्रैफिक पुलिस, विद्युत विभाग, जिलाधिकारी और एनपीसीएल को ज्ञापन के माध्यम से पंचायत की सूचना दी जा चुकी है। उन्होंने कहा कि किसानों और क्षेत्रीय जनता में प्राधिकरणों के रवैये को लेकर गहरा आक्रोश है। बैठक में मनोज मावी, जयपाल मावी, विनोद अधाना, रामरतन भाटी, अरुण भाटी, करमबीर मावी, विपिन प्रधान, संजय फौजी, जगत अवाना, सचिन अवाना, अजय गुर्जर, पार्थ गुर्जर, विपिन तवर, सुंदर तवर सहित अनेक पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कांग्रेसियों ने किया प्रदेश अध्यक्ष अजय राय का स्वागत

नोएडा (चेतना मंच)। युवा कांग्रेस, किसान कांग्रेस तथा एन एस यू आई ने उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय का सैक्टर 96 गोल्फ कोर्स चौराहा आगमन पर स्वागत किया।

स्वागत करने वालों में वरिष्ठ कांग्रेस नेता मुजफ्फरनगर कोऑर्डिनेटर एडवोकेट दिनेश अवाना, पूर्व महानगर अध्यक्ष शाहबुद्दीन, एनएसयूआई जिला अध्यक्ष गौतम बुध नगर राजकुमार मोनू, किसान कांग्रेस गौतम बुध नगर जिला अध्यक्ष रमेश बघेल, गाजियाबाद कोऑर्डिनेटर राजकुमार पंडित, वरिष्ठ कांग्रेस नेता जय चंद चौधरी,पूर्व जिला अध्यक्ष गाजियाबाद विनीत त्यागी, कोर्डिनेटर अरुण त्यागी, नोएडा विधानसभा युवा कांग्रेस अध्यक्ष नीरज अवाना,दादरी विधानसभा युवा कांग्रेस अध्यक्ष जितेंद्र शर्मा, जेवर विधानसभा युवा कांग्रेस अध्यक्ष गौरव लोहिया, किसान कांग्रेस प्रदेश कोऑर्डिनेटर कल्पना सिंह, महानगर महासचिव सुमन राय, महानगर महासचिव दयाशंकर पांडे, पूर्व जिला अध्यक्ष अल्पसंख्यक हसमत राणा, विक्की चौधरी, पूर्व जिला अध्यक्ष सेवक सोशल आउटरीच गौतम बुध नगर मोहम्मद गुलफाम, पीसीसी सदस्य मोहम्मद चांद, पूर्व ब्लाक अध्यक्ष रणवीर भाटी, पूर्व सचिव राम गुप्ता, ज्योति पाल, कल्पना शुक्ला, पूर्व सचिव कैप्टन बाजवा, नवल सिंह चौहान, खुशबू,महेश तंवर, हरेंद्र बैसैया,रिषभ,रवि, तुषार,दीपक, रोबिन, सोनू व अन्य सैकड़ों कार्यकर्ताओं मौजूद रहे।

वहीं महानगर नोएडा अध्यक्ष मुकेश यादव के नेतृत्व में कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री अजय राय का बुलंदशहर जाते हुए नोएडा सैक्टर 44 पर जोरदार स्वागत किया गया।

पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा पुष्प गुच्छ एवं माला पहना कर स्वागत किया गया। प्रदेश अध्यक्ष ने स्वागत के लिए सभी का आभार व्यक्त किया और कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए कहा कि सभी लोग संगठन को मजबूत करें तथा जो जिम्मेदारियां दी गई हैं उनका ईमानदारी से निर्वाह करें।

स्वागत कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारियों में प्रदेश सचिव पुरूषोतम नागर, अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय सचिव लियाकत चौधरी, प्रवक्ता पवन शर्मा, बागपत कॉर्डिनेटर सतेंद्र शर्मा, गौतम अवाना, फिरे सिंह नागर, ललित अवाना, राजकुमार भारती, संजय तनेजा, यतेन्द्र शर्मा, दयाशंकर पांडेय, एस एस सिसोदिया, विक्रम चौधरी, रामकुमार शर्मा, मुकेश शर्मा, धर्म सिंह, सुल्तान बिधूड़ी, ईश्वर, वसीम, डॉ सीमा, मधुराज, वीरो देवी, मोबित खान, सतीश पंचाल, अरुण प्रधान सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

खास खबर

पोलैंड और अमेरिका ने विश्व चैंपियनशिप में जीत के साथ की शुरुआत

मनीला : विश्व नंबर वन पोलैंड ने रोमानिया और पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता अमेरिका ने कोलंबिया को हराकर वॉलीबॉल पुरुष विश्व चैंपियनशिप में विजयी शुरुआत की। खेले गये मुकाबले में रोमानिया ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए पोलैंड पर पहले सेट में 24-23 से बढ़त बनाई, लेकिन 2022 विश्व चैंपियनशिप के उपविजेता पोलैंड ने धैर्य बनाए रखते हुए 34-32 से जीत हासिल की। अगले सेटों में, रोमानिया ने अपनी तीव्रता कम कर दी और गलतियां करने लगा, जबकि पोलैंड ने अपनी ताकत दिखाई और 25-15 और 25-19 से जीत हासिल की। पोलैंड के विल्फ्रेडो लियोन वेनेरो ने खेल में सर्वाधिक 14 अंक बनाए, जबकि बार्टोज कुरेक ने 13 अंक जोड़े। इस जीत के साथ, पोलैंड ग्रुप बी में पहले स्थान पर है और अब उसका अगला मुकाबला कतर से होगा, जिसे शनिवार को नीदरलैंड से 3-1 से हार का सामना करना पड़ा था। वहीं एक अन्य मुकाबले में पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता अमेरिका ने भी ग्रुप डी में कोलंबिया पर 25-20, 25-21, 25-14 से जीत हासिल करते हुए अच्छी शुरुआत की। अपने स्टार सेटर और कप्तान मीका क्रिस्टेंसन की अगुवाई में, आउटसाइड हिटर एथन 17 अंकों के साथ अमेरिकी टीम का नेतृत्व कर रहे हैं, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी गेब्रियल गार्सिया ने 12 अंक और बनाए।

सेंट्रल जोन का चैंपियन बनना तय

बेंगलूरु : कुमार कार्तिकेयन (चार विकेट) और सारांश जैन (तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत सेंट्रल जोन ने रविवार को दलीप ट्रॉफी मुकाबले के चौथे दिन साउथ जोन को 426 के स्कोर पर समेट दिया। सेंट्रल जोन को अब जीत के लिए 65 रन बनाने है तथा अभी एक दिन का खेल शेष है। साउथ जोन ने कल के दो विकेट पर 192 रन से आगे खेलना शुरु किया। साउथ जोन ने कल के स्कोर में महज 30 रन जोड़कर अपने चार विकेट गंवा दिए। साउथ जोन का तीसरा विकेट रिकी भुई (45) के रूप में गिरा। उन्हें दीपक चाहर ने एस शर्मा के हाथों कैच आउट कराया। इसके बाद कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन (27) को कुमार कार्तिकेय ने अपना शिकार बना लिया। सलमान निजार (12) और आर स्मरण (47) भी कार्तिकेयन का शिकार बने। 222 के स्कोर पर छह विकेट गंवा चुकी हार की डगर पर खड़ी साउथ जोन को अंकित शर्मा और सी आंद्रे सिद्धार्थ की जोड़ी ने संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच 330 गेंदों में 192 रनों की साझेदारी हुई। कार्तिकेयन ने शतक की ओर बढ़ रहे अंकित शर्मा को आर पाटीदार के साथ हाथों कैच आउट कराकर सेंट्रल जोन को बड़ी सफलता दिलाई। अंकित शर्मा ने 168 गेंदों में 13 चौके और एक छक्के की मदद से 99 रन बनाए। वह महज एक रन से शतक से चूक गये। गुरजपनीत (नाबाद तीन) को सारांश जैन ने आउट किया। दिन का खेल समाप्त होने के समय सेंट्रल जोन ने साउथ जोन को 426 के स्कोर पर समेट दिया। हालांकि उसे 64 रनों की बढ़त हासिल हुई।

मेघना ने महिलाओं की एयर राइफल में कांस्य जीता, भारत पांचवें स्थान पर रहा

निंगबो : एक ऐसे फाइनल में जहां चीन की नई सनसनी पेंग शिनलु ने विश्व रिकॉर्ड तोड़ा, भारत की मेघना सज्जनार ने आठ साल बाद अपना पहला विश्व फाइनल खेलते हुए महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल में कांस्य पदक जीता। यह उनका पहला वर्ल्ड कप पदक है। इस पदक की मदद से भारत ने निंगबो, चीन में आयोजित सीजन-एंडिंग इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन (आईएसएसएफ) वर्ल्ड कप राइफल/पिस्टल को एक स्वर्ण और एक कांस्य पदक के साथ पांचवें स्थान पर समाप्त किया। फाइनल में मेघना ने 230.0 का स्कोर किया जबकि नॉर्वे की दिग्गज जेनेट हेग डुएस्टाड ने रजत जीता और पेंग ने 255.3 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया। यह स्कोर उनकी साथी वांग जीफेई के पूर्व विश्व रिकॉर्ड 254.8 से बेहतर था।

गांगुली, हरभजन सहित कई खिलाड़ी वार्षिक आम बैठक में होंगे शामिल

नई दिल्ली : सौरव गांगुली (सीएबी), जयदेव शाह (सौराष्ट्र), अरुण सिंह धूमल (एचपीसीए) और राजीव शुक्ला (यूपीसीए) जैसे नियमित नामों के अलावा, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में भाग लेने वाले अधिकांश अन्य सदस्य भी आम तौर पर संदिग्ध होते हैं। हरभजन सिंह, निश्चित रूप से, आम सभा की बैठक के लिए राज्य प्रतिनिधियों की विशिष्ट सूची में एक अलग नाम के रूप में उभरे हैं। जैसा कि पहले बताया गया था, वह वार्षिक आम बैठक में पंजाब क्रिकेट संघ (पीसीए) का प्रतिनिधित्व करेंगे, जिससे बीसीसीआई के शीर्ष पद के लिए उनके संभावित उम्मीदवार के रूप में उनकी संभावनाओं को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। 103 टेस्ट मैच खेल चुके पूर्व भारतीय स्पिनर ने अपनी योजनाओं के बारे में चुप्पी साध रखी है, लेकिन उनके करीबी लोगों का कहना है कि उनका नामांकन पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान से उनकी नजदीकी से जुड़ा है और इसके ज्यादा मायने नहीं निकाले जा सकते। लेकिन यह संभावना नहीं है कि यह मामला सिर्फ पंजाब के मुख्यमंत्री के साथ उनकी दोस्ती तक ही सीमित रहेगा। यह तय है कि इसमें और भी कुछ है। हरभजन और उनके पूर्व भारतीय कप्तान गांगुली के अलावा, राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय खेल का अनुभव रखने वाले अन्य प्रतिनिधियों में जयदेव शाह, रघुराम भट्ट (कर्नाटक) और मिथुन मिन्हास (जेकेसीए) शामिल हैं।

ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम ने भारत को आठ विकेट से हराया

न्यू चंडीगढ़ : गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद फीबी लिचफील्ड (88), बेथ मूनी (नाबाद 77), ऐनाबेल सदरलैंड (नाबाद 54) की शानदार अर्धशतकीय पारियों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने रविवार को पहले एकदिवसीय मुकाबले में भारतीय टीम को 35 गेंदे शेष रहते आठ विकेट से हरा दिया। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। 282 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम के लिए कप्तान अलिसा हीली और फीबी लिचफील्ड की सलामी जोड़ी ने 45 रन जोड़े। सातवें ओवर में क्रांति गौड़ ने अलिसा हीली (27) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। एलिस पेरी 30 रन पर रिटायर हर्ट हुई। ऑस्ट्रेलिया का दूसरा विकेट फीबी लिचफील्ड के रूप में गिरा। फीबी लिचफील्ड ने 80 गेंदों में 14 चौकों लगाते हुए 88 रन बनाये। बेथ मूनी और ऐनाबेल सदरलैंड शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए 44.1 ओवर में दो विकेट पर 282 रन बनाकर अपनी टीम को आठ विकेट से जीत दिला दी। दोनों बल्लेबाजों के बीच 116 रनों की अविजित साझेदारी हुई। बेथ मूनी ने 74 गेंदों में (नाबाद 77), ऐनाबेल सदरलैंड ने 51 गेंदों में (नाबाद 54) रनों की पारी खेली। भारत की ओर से क्रांति गौड़ और स्नेह राणा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

32 साल में पहली यूरोपीय डेविस कप जीत

टेनिस टीम ने डेविस कप में रचा इतिहास, सुमित नागल के दम पर भारत ने स्विट्जरलैंड को हराया

बील : भारतीय पुरुष टेनिस टीम ने डेविस कप 2025 विश्व ग्रुप कमुकाबले में स्विट्जरलैंड को 3-1 से हराकर बील में इतिहास रच दिया। यह 32 वर्षों में किसी यूरोपीय देश के खिलाफ भारत की पहली डेविस कप जीत थी, आखिरी बार 1993 में फ्रांस के खिलाफ आई थी।

सुमित नागल ने निर्णायक उलट एकल मुकाबले में स्विट्जरलैंड के हेनरी बर्नेट पर 6-1, 6-3 से शानदार जीत के साथ जीत सुनिश्चित की। डेविस कप स्टैंडिंग में 37वें स्थान पर काबिज भारत ने नौवीं वरीयता प्राप्त स्विट्जरलैंड (24वें स्थान) को हराकर 2026 विश्व ग्रुप क्वालीफायर के पहले दौर में जगह बनाई। पहले दिन भारत ने स्विस टेनिस एरेना में मुकाबले पर नियंत्रण कर लिया था। डेविस कप में पदार्पण करते हुए दक्षिणेश्वर सुरेश ने शुरुआती एकल मुकाबले में घरेलू पसंदीदा जेरोम किम को 7-6(4), 6-3 से हराया। 626वीं रैंकिंग के सुरेश ने उल्लेखनीय धैर्य दिखाया और सीधे सेटों में मैच जीतने से पहले कई ब्रेक प्वाइंट बचाए। बाद में, भारत के अगुआ सुमित नागल ने दो बार के ओलंपियन मार्क-एंड्रिया हूस्लर को 6-3, 7-6(4) से हराया। नागल ने पहले सेट में दो बार हूस्लर की सर्विस तोड़ी और दूसरे सेट के टाईब्रेक में अपना धैर्य बनाए रखा, जिससे भारत को पहले दिन के बाद 2-0 की बढ़त मिल गई। जैकब पॉल और हेनरी बर्नेट की स्विस जोड़ी ने शनिवार को वापसी करते हुए एन. श्रीराम बालाजी और रित्विक बोल्लीपल्ली को युगल मुकाबले में हराया। शनिवार को पहले उलट एकल में 18 वर्षीय बर्नेट का सामना करते हुए, भारत के नंबर एक खिलाड़ी नागल ने शुरुआत में ही ब्रेक लिया और बेसलाइन से दबदबा बनाया। यह जीत 1993 के बाद से किसी यूरोपीय देश पर भारत की पहली डेविस कप जीत है, एक ऐसा परिणाम जो टीम के लचीलेपन और गहराई को दर्शाता है। यह 2019 में शुरू किए गए नए डेविस कप प्रारूप के तहत भारत की पहली विदेशी सफलता भी है। यह जीत भारत की 2026 विश्व ग्रुप क्वालीफायर के पहले दौर में प्रगति सुनिश्चित करती है, जबकि स्विट्जरलैंड को 2026 विश्व ग्रुप कप्ले-ऑफ में भाग लेना होगा। तीन बार का डेविस कप उपविजेता (1966, 1974, 1987) भारत अब प्रतियोगिता के एलीट चरणों में वापसी की अपनी खोज में इस गति को बनाए रखने की कोशिश करेगा।

विश्व बाक्सिंग में मीनाक्षी और जैस्मिन को गोल्ड

लिवरपूल : जैस्मीन (57 किग्रा) और मीनाक्षी (48 किग्रा) ने लिवरपूल में विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2025 में स्वर्ण पदक जीत लिए। जैस्मीन ने पोलैंड की स्जेरमेटा जूलिया (पेरिस ओलंपिक रजत पदक विजेता) को 4:1 से हराकर स्वर्ण जीता और यह उपलब्धि हासिल करने वाली वह वाली पहली भारतीय बन गईं। मीनाक्षी (48 किग्रा) ने कजाकिस्तान की नाजिम काइजेबे (पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता) के खिलाफ 4:1 से जीत हासिल की और चैंपियनशिप 2025 में स्वर्ण पदक जीतने वाली दूसरी भारतीय बन गईं। नुपुर (80 किग्रा) ने रजत पदक जीता जबकि पूजा रानी (80 किग्रा) ने कांस्य पदक के साथ समापन किया।

भारत की लगातार दूसरी जीत

कुलदीप ने झटके तीन विकेट, पाक को सात विकेट से हराया

● दुबई

पाकिस्तान ने साहिबजादा फरहान के 40 और शाहिन शाह अफरीदी के नाबाद 33 रन की बदौलत 20 ओवर में 9 विकेट गंवाकर 127 रन बनाए। भारत की ओर से कुलदीप यादव ने चार ओवर में 18 रन खर्च कर तीन विकेट हासिल किए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत ने 15.5 ओवर में 131 रन बनाकर पाक को सात विकेट से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। भारत की ओर से अभिषेक और तिलक ने 31-31 रन, गिल ने 10 रन और सूर्यकुमार यादव ने नाबाद 47 रनों की पारी खेली।

इससे पहले, दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले जा रहे मुकाबले में पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। पाकिस्तान के ओपनर साइम अयूब को हार्दिक पंड्या ने पहले ओवर की पहली गेंद पर ही आउट कर पवेलियन वापस भेज दिया हालांकि हार्दिक पांड्या ने इससे पहले एक वाइड गेंद भी फेंकी थी। पंड्या ने विकेट लेने का जो सिलसिला पहले ओवर में शुरू किया, उसे जसप्रीत बुमराह ने अगले ओवर में जारी रखा। दूसरे ओवर की दूसरी गेंद पर बुमराह ने मोहम्मद हारिस का विकेट लिया। पाकिस्तान ने 1.2 ओवर में 6 रन पर ही दो विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद फरहान ने फखर के साथ मिलकर पाकिस्तान की पारी को संभाला। पर पावरप्ले के अंत तक पाकिस्तान दो विकेट गंवाकर 42 रन ही बना पाया। आठवें ओवर की चौथी गेंद पर अक्षर पटेल ने फखर जमान को पवेलियन वापस भेज दिया और पाकिस्तान ने 45 रन के स्कोर पर ही तीन विकेट गंवा दिए। 10वें ओवर की आखिरी गेंद पर अक्षर पटेल ने पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा को आउट किया। उन्होंने 12 गेंद में महज तीन रन बनाए और पाकिस्तान का स्कोर 10 ओवर के बाद चार विकेट के नुकसान पर 49 रन तक ही पहुंचा। 13वें ओवर की चौथी गेंद पर कुलदीप यादव ने हसन नवाज को आउट किया और इसी ओवर की पांचवीं गेंद पर उन्होंने मोहम्मद नवाज को बिना खाता खोले पवेलियन वापस भेज दिया। 13 ओवर तक पाकिस्तान का स्कोर 6 विकेट के नुकसान पर 65 रन तक ही पहुंच पाया। लगातार गिरते विकेटों के बीच ओपनर साहिबजादा फरहान 16 ओवर तक तो डटे रहे। लेकिन 17वें ओवर की पहली गेंद पर कुलदीप यादव ने उनका विकेट ले लिया। उन्होंने 44 गेंद में 40 रन की पारी खेली। पाकिस्तान का स्कोर 100 तक पहुंच पाता, इससे पहले वरुण चक्रवर्ती ने फहीम अशरफ को पवेलियन वापस भेज दिया। 19वें ओवर की आखिरी गेंद पर जब पाकिस्तान का स्कोर 111 रन था, तब जसप्रीत बुमराह ने सुफि यान मकीम को बोल्ड कर पाकिस्तान का 9वां विकेट गिराया। हालांकि शाहीन शाह अफरीदी ने चार छक्कों की मदद से 16 गेंद पर नाबाद 33 रन की पारी खेली और पाकिस्तान के स्कोर को 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 127 रन तक पहुंचा दिया।

जीत के साथ सुपर फोर में पहुंचना चाहेगी श्रीलंका

● दुबई

श्रीलंका एशिया कप 2025 के आठवें मैच में हांगकांग को हराकर सुपर फोर में पहुंचना चाहेगी। वही टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी हांगकांग सम्मान के साथ विदाई के लिए संघर्ष करेगी।

चारिथ असलंका की अगुवाई श्रीलंका की टीम अपने पहले मैच में बांग्लादेश को छह विकेट से हराने के बाद आत्मविश्वास से भरी हुई है। उनकी बल्लेबाजी में टीम के रूप में लय में दिख रही है। 34 गेंदों पर 50 रनों की सहज पारी खेलने वाले पथुम निसांका एक अलग ही स्तर पर बल्लेबाजी करते दिख रहे हैं, जबकि बांग्लादेश के खिलाफ कामिल मिशारा की नाबाद 46 रनों की पारी ने उनकी उम्र से कहीं अधिक संयम दिखाया। कुसल मेंडिस और कुसल परेरा शीर्ष क्रम में स्थिरता प्रदान करते हैं, और कप्तान असलंका के साथ कामिंदु मेंडिस अंतिम ओवरों में मजबूती प्रदान करते हैं। वहीं गेंदबाजी की बात की जाये तो श्रीलंका के पास दुष्मंथा चमीरा और नुवान तुषारा ने गति और सटीकता का मिश्रण है। दुबई की पकड़ी पिचों पर वानिंदु हसरंगा की शानदार लेग स्पिन एक सिद्ध मैच-विजेता गेंदबाज बनी हुई है, और प्रबंधन परिस्थितियों के अनुसार, स्पिन आक्रमण में

एशिया कप में आज हांगकांग से होगा श्रीलंका का मुकाबला

एक और परत जोड़ने के लिए महेश तीक्षाना को लाने पर विचार कर सकता है। हांगकांग की बात की जाये तो अफगानिस्तान और बांग्लादेश से हार के बाद अब तक उन्हें सफलता नहीं मिली है, लेकिन यासिम मुर्तजा की टीम एक चुनौतीपूर्ण प्रदर्शन की उम्मीद करेगी। जीशान अली, अंशुमान रथ और हयात बल्लेबाजी की जिम्मेदारी का भार संभालेंगे, जबकि अतीक इकबाल ने शानदार इकॉनमी से तीन विकेट लेकर गेंद से उनका सबसे अच्छा प्रदर्शन किया है।

फाइनल में हारे सात्विक-चिराग और लक्ष्य सेन

● हांगकांग

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी तथा लक्ष्य सेन रविवार को हांगकांग ओपन के फाइनल में हार गए और उन्हें उपविजेता रहकर संतोष करना पड़ा।

भारतीय जोड़ी फाइनल में जीत के करीब पहुंच गई थी, लेकिन यहां पुरुष युगल के खिताबी मुकाबले में चीन के लियांग वेइकेंग और वांग चांग से 62 मिनट में 21-19, 14-21, 17-21 से हार गए। पुरुष एकल में भारत का खिताब का सपना टूट गया। लक्ष्य सेन को पुरुष एकल फाइनल में दूसरे वरीय चीन के ली शि फेंग से 21-15, 21-12 से हारकर रजत पदक से संतोष करना पड़ा। इस परिणाम के साथ, भारत ने दो रजत पदक के साथ टूर्नामेंट का समापन किया। शुरुआत से ही, भारतीय जोड़ी में एक उद्देश्यपूर्ण भावना थी। उन्होंने स्पष्ट सर्विस और रिटर्न किया, समझदारी से रैलियां बनाईं और गेम पॉइंट पर एक शांत हॉकआई चैलेंज की मदद से पहला गेम 21-19 से अपने नाम कर लिया। यह इस बात का संकेत था कि उन्होंने अपनी ताकत और स्थिर निर्णय को कितनी अच्छी तरह से संयोजित करना सीख लिया है। हालांकि, चीनी जोड़ी ने दूसरे गेम में अपनी लय हासिल कर ली। लियांग के तीखे स्मैश और वांग के तेज इंटरसेप्शन ने भारतीयों को बार-बार बचाव करने पर मजबूर कर दिया। 21-14 का स्कोरलाइन न केवल दूसरी टीम के दबाव को दर्शाता है, बल्कि सात्विक-चिराग की लंबाई और रोटेशन की गुणवत्ता में भी थोड़ी गिरावट दर्शाता है। जैसा कि अक्सर उच्चतम स्तर पर होता है, निर्णायक गेम शुरुआती कुछ आदान-प्रदानों पर निर्भर था। लियांग और वांग ने शुरुआत में ही हमला बोला और भारतीयों के संभलने से पहले ही स्कोर 6-0 कर दिया। हालांकि सात्विक और चिराग ने बीच में ही अपनी लय पकड़नी शुरू कर दी और साहसिक खेल और तेज पूर्वानुमान के साथ 10-18 से 17-20 पर पहुंच गए, लेकिन अंतर बहुत ज्यादा साबित हुआ। तीसरे मैच पॉइंट पर लियांग के क्लीन विनर ने एक घंटे से ज्यादा चले मुकाबले को पक्का कर दिया। भारतीय टीम तीसरे गेम को थोड़े अफसोस के साथ, लेकिन साथ ही उत्साह के साथ भी देखेगी। वे कभी भी किसी से कमतर नहीं रहे, बस कुछ जगहों पर उनसे आगे निकल गए। उनका आक्रामक इरादा, खासकर सात्विक के फ्लैट स्मैश और चिराग का नेट पर नियंत्रण, हर शीर्ष जोड़ी को परेशान करता रहा।

पहली जीत दर्ज करने पर होंगी यूएई-ओमान की नजरें

अबूधाबी : एशिया कप के 7वें मैच में यूएई का सामना सोमवार को ओमान से होगा। यूएई को अपने पहले मैच में भारतीय टीम से 9 विकेट से करारी हार झेलनी पड़ी थी। इसी तरह ओमान को टूर्नामेंट के अपने पहले मुकाबले में पाकिस्तान के खिलाफ 93 रन से बड़ी हार मिली थी। ऐसे में दोनों टीमें पहली जीत की तलाश में होंगी। आइए मुकाबले की महत्वपूर्ण बातों पर नजर डालते हैं। टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दोनों टीमों का बराबरी का मुकाबला रहा है। अब तक दोनों ने 8 मुकाबले एक दूसरे के खिलाफ खेले हैं। इस दौरान यूएई की टीम को 4 मैच में जीत मिली है। ओमान की टीम ने भी 4 मुकाबले अपने नाम किए हैं। दोनों टीमों के बीच खेले गए पिछले 5 मुकाबलों में यूएई का पलड़ा भारी है। यूएई ने इस दौरान 3 मैच अपने नाम किए हैं। 2 मुकाबलों में ओमान को जीत मिली है। मोहम्मद वसीम ने पिछले 10 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 24.9 की औसत और 140.67 की स्ट्राइक रेट से 249 रन बनाए हैं। आसिफ के बल्ले से पिछले 10 मुकाबलों में 160.83 की स्ट्राइक रेट से 193 रन निकले हैं।

क्राउसर की गोला फेंक में खिताबी हैट्रिक

विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में गोला फेंक में 22.34 मीटर की थ्रो की, अमेरिका ने पहले दिन जीते दो स्वर्ण

● टोक्यो

संयुक्त राज्य अमेरिका के रयान क्राउसर ने विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में गोला फेंक में 22.34 मीटर की थ्रो के साथ लगातार तीसरा विश्व खिताब जीता। विश्व रिकॉर्ड धारक और तीन बार के ओलंपिक चैंपियन ने मेक्सिको के उज्एिल मुनोज को 37 सेंटीमीटर से पीछे छोड़ा। मुनोज ने 21.97 मीटर के साथ रजत पदक जीता और इटली के लियोनार्डो फैब्री ने 21.94 मीटर की थ्रो के साथ कांस्य पदक जीता।

संयुक्त राज्य अमेरिका ने मिश्रित 4 गुणा 400 मीटर रिले में भी जीत हासिल करने के बाद पहले दिन दो स्वर्ण पदकों के साथ समापन किया। सुबह के सत्र में, स्पेन की मारिया पेरेज ने 35 किलोमीटर रेस वॉक में अपना खिताब बरकरार रखा, जबकि कनाडा के इवान डनफी ने पुरुषों की स्पर्धा में अपना पहला विश्व खिताब जीतने के लिए देर से बढ़त हासिल की। 34 वर्षीय डनफी शुरुआत में तो पीछे रहे, लेकिन 30 किलोमीटर के बाद जापान के मासाटोरा कवानो और हयातो कात्सुकी को पीछे छोड़ दिया, जिससे मेजबान देश की स्वर्णिम शुरुआत की उम्मीदें धूमिल हो गईं। आखिरी लैप में उनकी गति थोड़ी धीमी हुई, लेकिन उन्होंने 2:28:22 के समय के साथ जीत हासिल की। दक्षिण अफ्रीका के गिफ्ट लियोटेला ने पुरुषों की 100 मीटर दौड़ में सबसे ज्यादा चौंकाने वाला प्रदर्शन किया और 9.87 सेकंड का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय लेकर पहले राउंड में बढ़त बनाई। विश्व में 28वें स्थान पर काबिज 23 वर्षीय इस धावक ने हीट 1 जीतकर 56 धावकों के बीच शीर्ष स्थान हासिल किया। ओलंपिक और विश्व चैंपियन अमेरिका के नोहा लाइल्स ने 9.95 सेकंड में हीट 3 जीतकर आसानी से चौथा स्थान हासिल किया। नाइजीरिया के कायिनसोला अजयी ने 9.88 सेकंड में दूसरा और जमैका के ओब्लिक सेविले ने 9.93 सेकंड में तीसरा स्थान हासिल किया। चार साल पहले इसी स्टेडियम में ओलंपिक चैंपियन रहे इटली के लैमोंट मार्सेल जैकब्स ने 24वें स्थान के साथ सेमीफाइनल में जगह बनाई। महिलाओं की 100 मीटर दौड़ में, सेंट लूसिया की ओलंपिक चैंपियन जूलियन अल्फ्रेड ने 10.93 सेकंड के सबसे तेज समय के साथ सेमीफाइनल में प्रवेश किया। ब्रिटेन की डेरिल नीता 10.94 सेकंड के साथ दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि अमेरिकी मेलिसा जेफरसन-वुडन 10.99 सेकंड के साथ तीसरे स्थान पर रहीं।

केन्या की जेपचिरचिर ने विश्व एथलेटिक्स में जीता महिला मैराथन का खिताब

टोक्यो : टोक्यो ओलंपिक चैंपियन पेरेस जेपचिरचिर ने रविवार को यहां 2025 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में इथियोपिया की टिग्स्ट अस्सेफा के साथ रोमांचक मुकाबले में जीत हासिल कर महिला मैराथन का स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया। केन्या की जेपचिरचिर और अस्सेफा ने 30 किलोमीटर से पहले ही अन्य धावकों से बढ़त बना ली और जापान नेशनल स्टेडियम में अंतिम पड़ाव तक पूरे रास्ते साथ रहीं। 28 वर्षीय अस्सेफा, जिन्होंने अप्रैल में लंदन में 2:15:50 का महिलाओं के लिए एकमात्र विश्व मैराथन रिकॉर्ड बनाया था, लगभग 250 मीटर की दूरी पर सबसे पहले दौड़ीं। जेपचिरचिर ने उनका पीछा नहीं छोड़ा और अंतिम मोड़ के पास बढ़त बनाते हुए 2:24:43 में सबसे पहले फिनिश लाइन पर पहुंचीं ।

केन्या की चेबेट ने विश्व एथलेटिक्स में 10,000 मीटर दौड़ में जीता पहला खिताब

टोक्यो: केन्या की बीट्राइस चेबेट ने विश्व चैंपियनशिप में महिलाओं की 10,000 मीटर दौड़ का स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने 30 मिनट 37.61 सेकंड में अपना पहला विश्व खिताब जीता। 25 वर्षीय विश्व रिकॉर्ड धारक चेबेट ने 4,000 मीटर स्प्लिट के बाद बढ़त बना ली, उनके साथ हमवतन एग्नेस जेबेट नेगेटिच, इथियोपिया की गुडाफ त्सेगे और फोटियन टेस्फे, और इटली की नादिया बट्टोक्लेट्टी भी थीं। हालांकि गत चैंपियन त्सेगे 9,200 मीटर स्प्लिट के बाद आगे निकल गईं, लेकिन दो बार की ओलंपिक चैंपियन चेबेट ने निर्णायक अंतिम दौड़ में 30 मिनट और 37.61 सेकंड में स्वर्ण पदक हासिल किया। पेरिस ओलंपिक की रजत पदक विजेता बैटोक्लेट्टी 30:38.23 सेकंड में दूसरे स्थान पर रहीं और उन्होंने एक नया इतालवी राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया।

पितृपक्ष की दशमी तिथि का श्राद्ध और हनुमानजी की पूजा

आश्विन मास के कृष्ण पक्ष की दशमी तिथि मंगलवार, 16 सितंबर को पड़ रही है। इस दिन पितृपक्ष की दशमी तिथि का श्राद्ध भी किया जाएगा और मंगलवार है तो रामभक्त हनुमानजी के लिए व्रत और पूजन भी किया जाएगा। पितृपक्ष की दशमी तिथि का श्राद्ध विशेष महत्व रखता है। इस कारण दशमी तिथि पर किया गया श्राद्ध पितरों को शांति देने के साथ-साथ घर-परिवार में मानसिक शांति और चित्त की स्थिरता प्रदान करता है।

मंगलवार को आडल और विडाल योग

दृक पंचांग के अनुसार, सूर्य देव सिंह राशि में और चंद्रमा मिथुन राशि में विराजमान रहेंगे। अभिजीत मुहूर्त सुबह 11 बजकर 51 मिनट से शुरू होकर 12 बजकर 40 मिनट तक रहेगा और राहुकाल का समय दोपहर के 3 बजकर 20 मिनट से शुरू होकर 4 बजकर 53 मिनट तक रहेगा। इस दिन आडल और विडाल योग का निर्माण हो रहा है, जो धार्मिक कार्यों के लिए अशुभ माना जाता है।

मंगल ग्रह की स्थिति होगी शुभ

मंगलवार का यह दिन रामभक्त हनुमान और मंगल ग्रह को समर्पित है। स्कंद पुराण के अनुसार, बजरंगबली का जन्म मंगलवार के दिन हुआ था। बजरंगबली को संकटमोचन और मंगल ग्रह के नियंत्रक के रूप में पूजा जाता है। मान्यता है कि इस दिन व्रत रखने और हनुमान जी की विधि-विधान से पूजा करने से जीवन के कष्ट, भय और चिंताएं दूर होती हैं। साथ ही, मंगल ग्रह से संबंधित ज्योतिषीय बाधाएं भी समाप्त होती हैं। बजरंगबली के भक्तों के लिए यह दिन विशेष महत्व रखता है। इस दिन लाल रंग के वस्त्र पहनना, हनुमान चालीसा का पाठ करना और हनुमान जी को लाल सिंदूर व चमेली का तेल चढ़ाना अत्यंत शुभ माना जाता है।

हनुमानजी की पूजा विधि

इस दिन पूजा करने के लिए ब्रह्म मुहूर्त में उठकर नित्य कर्म-स्नान आदि करने के बाद पूजा स्थल को साफ करें। फिर एक चौकी पर लाल कपड़ा बिछाएं और पूजा की सामग्री रखें और उस पर अंजनी पुत्र की प्रतिमा स्थापित करें। इसके बाद, हनुमान चालीसा या सुंदरकांड का पाठ कर सिंदूर, चमेली का तेल, लाल फूल और प्रसाद चढ़ाएं और बजरंग बली की आरती करें। इसके बाद आरती का आचमन कर आसन को प्रणाम करके प्रसाद ग्रहण करें। साथ ही इस दिन शाम को भी हनुमान चालीसा या सुंदरकांड का पाठ करना चाहिए।

मंगलवार के दिन जरूर करें यह काम

व्रत में केवल एक बार भोजन करें और नमक का सेवन न करें। मंगलवार के दिन हनुमान जी की पूजा करने से शक्ति और साहस में वृद्धि होती है। इसके साथ ही जीवन में सुख-समृद्धि आती है। मान्यता है कि लाल रंग मंगल ग्रह का प्रतीक है।

इस दिन लाल कपड़े पहनना और लाल रंग के फल, फूल और मिठाइयां अर्पित करना शुभ माना जाता है। ज्योतिषियों का कहना है कि इस दिन हनुमान मंदिर में दर्शन और पूजा से विशेष फल की प्राप्ति होती है। हनुमान जी की कृपा से भक्तों को साहस, शक्ति और आत्मविश्वास मिलता है। इस पावन दिन पर हनुमान जी की आराधना कर जीवन में सुख-समृद्धि और शांति की कामना करें।

पितृपक्ष की दशमी तिथि का श्राद्ध

पितृपक्ष की दशमी तिथि को धर्म, सदाचार और शांति की प्रतीक तिथि माना गया है। इस दिन किया गया श्राद्ध उन पितरों के लिए विशेष फलदायी होता है जिनकी मृत्यु दशमी तिथि को हुई हो। शास्त्रीय नियम के अनुसार, श्राद्ध उसी तिथि को करना श्रेष्ठ माना गया है जिस तिथि को पितृ का देहावसान हुआ हो। दशमी के श्राद्ध से घर में सद्भाव, शांति और संतानों की उन्नति होती है। साथ ही मानसिक विकार, चित्त की अशांति तथा परिवार के भीतर होने वाले मतभेद शांत होते हैं।

नवरात्रि की तैयारी में मां विंध्यवासिनी धाम

मिर्जापुर. नवरात्रि में अगर आप मां विंध्यवासिनी धाम आ रहे हैं तो इन मंदिरों में दर्शन करना न भूलें। यहां दर्शन करने के बाद ही त्रिकोण परिक्रमा यात्रा पूर्ण होती है। मां विंध्यवासिनी धाम में दर्शन के लिए दूर-दूर से भक्त आते हैं। हालांकि, दर्शन करने के बाद वापस घर चले जाते हैं। दूसरे देव स्थलों पर दर्शन करना भूल जाते हैं। अगर आप भी यहां आ रहे हैं तो इन जगहों पर दर्शन करना नहीं भूलें। इससे विशेष फल की प्राप्ति होती है।

तंत्र-मंत्र का प्रभाव खत्म हो जाता है। विंध्याचल धाम के प्रसिद्ध विद्यवान पं। अनुपम महराज लोकल 18 से बताते हैं कि अगर आप नवरात्रि में विंध्याचल के धाम में आ रहे हैं तो महालक्ष्मी की अवतार आदिशक्ति त्रिपुरसुंदरी राजराजेश्वरी मां विंध्यवासिनी का दर्शन जरूर करें।

इसके बाद मंदिर में ही महाकाली और महासरस्वती का दर्शन करें। फिर राधा कृष्ण मंदिर में दर्शन करने के बाद मां की सवारी सिंह का दर्शन करें। स्वयं मां के धाम में विराजमान भगवान भोले का दर्शन-पूजन करें। उसके बाद थाने के पास बटुक भैरव-भैरवी के दर्शन करें। तत्पश्चात, कंतित पर स्थित लाल भैरव का दर्शन करें, जो मां के विशेष द्वारपाल हैं।

तंत्र-मंत्र होता है दूर

पं। अनुपम महराज बताते हैं कि लाल भैरव के दर्शन के बाद स्टेशन के पास बंधवा हनुमान मंदिर में दर्शन करें। मान्यता है कि यहां पर दर्शन करने पर शत्रुओं पर विजय मिलता है। उसके बाद कालीखोह में दर्शन करें।

यहां पर दर्शन से सर्व पीड़ा और सर्व रोग दूर हो जाते हैं। तंत्र-मंत्र का प्रभाव भी पूरी तरह से खत्म हो जाता है, लेकिन दर्शन करने के बाद पीछे भैरव का दर्शन करें। कालीखोह में दर्शन करने के बाद अष्टभुजा मंदिर में जाए और दर्शन पूजन करें। वहां पर दर्शन करने के बाद भैरव कुंड जाए और वहां पर श्रीयंत्र का दर्शन करें। ऐसा श्रीयंत्र आपको कहीं और देखने को नहीं मिलेगा।

ऐसे होंगे संकट दूर

पं। अनुपम महराज के अनुसार, भैरव कुंड में दर्शन के बाद मां तारा का दर्शन करें। वहां पर तारा अश्मशान में दर्शन करें। वहां पर रामेश्वर दर्शन का करें। ऐसी मान्यता है कि यहां पर दर्शन करने से रामेश्वरम के बराबर का फल मिलता है।

रामेश्वरम में दर्शन के बाद मां संकटा का दर्शन करें। मां संकटा के दर्शन करने से हर संकट टल जाते हैं। यदि आप ऐसा दर्शन करते हैं तो आपकी त्रिकोण यात्रा सफल मानी जाएगी और मां आपको सुख और समृद्धि प्रदान करेगी।

घर में शांति और समृद्धि चाहिए तो पालतू जानवरों के लिए चुनें ये वास्तु दिशा

पालतू जानवर हमारे परिवार के सदस्य की तरह होते हैं। उनके लिए सही वातावरण और जगह का होना बेहद जरूरी है ताकि वे खुशहाल और स्वस्थ रहें।

वास्तु शास्त्र में भी पालतू जानवरों के लिए कुछ खास दिशाओं और स्थानों की सलाह दी गई है, जिससे घर में शांति, प्रेम और समृद्धि बनी रहती है। तो आइए जानते हैं घर में पालतू जानवरों के लिए कौन-कौन सी वास्तु दिशाएं सबसे बेहतर होती हैं।

पालतू जानवरों का स्थान

पालतू जानवरों का खाना और आराम करने की जगह घर के उत्तर या पूर्व दिशा में रखनी चाहिए। ये दिशा सकारात्मक ऊर्जा देती है और जानवरों को भी ताजगी और खुशहाली मिलती है। उत्तर दिशा से घर में समृद्धि और स्वास्थ्य की ऊर्जा बढ़ती है।

स्वच्छता और साफ-सफाई का ध्यान रखें

पालतू जानवरों के स्थान की स्वच्छता बहुत जरूरी है। वास्तु के अनुसार, गंदगी और अव्यवस्था नकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाती है, जिससे घर में तनाव और रोग बढ़ सकते हैं।

पालतू जानवरों के खिलौने और सामान भी सही दिशा में रखें

जानवरों के खिलौने, बिस्तर, और अन्य सामान घर के पूर्व या उत्तर दिशा में रखने से उनकी ऊर्जा सकारात्मक बनी रहती है।

कभी भी कुत्ते का बिस्तर या घर इन दिशाओं में न रखें

वास्तु के अनुसार, घर की दक्षिण, दक्षिण-पश्चिम या पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में जानवरों का बिस्तर रखने से बचना चाहिए। क्योंकि यह दिशा भारी और नकारात्मक ऊर्जा देती है। इससे जानवर उदास या बेचैन महसूस कर सकते हैं।

धन के देवता की कृपा पाना चाहते हैं तो घर की उत्तर दिशा में रखें ये खास चीजें

: वास्तु शास्त्र और ज्योतिष में उत्तर दिशा को बहुत ही शुभ माना जाता है। शास्त्रो में इसे धन और समृद्धि की दिशा कहा गया है क्योंकि इस दिशा के स्वामी स्वयं धन के अधिपति कुबेर देव माने गए हैं। मान्यता है कि यदि घर की उत्तर दिशा को सही तरीके से सजाया और संतुलित किया जाए तो घर में धन-धान्य की वृद्धि होती है और कभी भी आर्थिक तंगी नहीं आती। यही कारण है कि वास्तु में उत्तर दिशा में कुछ विशेष चीजें रखने की सलाह दी गई है। कहते हैं कि ऐसा करने से कुबेर देव प्रसन्न होते हैं और परिवार पर अपनी विशेष कृपा बरसाते हैं। तो आइए जानते हैं कि घर की उत्तर दिशा में कौन-कौन सी चीजें रखनी चाहिए जिससे जीवन में सुख-समृद्धि और धन का प्रवाह बना रहे।

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर की उत्तर दिशा को धन और समृद्धि की दिशा माना गया है। यदि इस स्थान पर तिजोरी या धन से जुड़ी वस्तुएं रखी जाएं तो आर्थिक प्रगति के अवसर बढ़ते हैं। इसी के साथ उत्तर दिशा में कुबेर देव की प्रतिमा या तस्वीर रखने से भी धन संबंधी लाभ की संभावनाएं प्रबल होती हैं। माना जाता है कि इस दिशा में कुबेर यंत्र की स्थापना करने से व्यापार में उन्नति होती है और घर में समृद्धि बनी रहती है। साथ ही ये भी माना जाता है कि इससे बिगड़े काम भी बनने लगते हैं।

घर की उत्तर दिशा में एक्वेरियम रखना भी शुभ माना जाता है। कहते हैं कि इस दिशा में एक्वेरियम रखने से व्यक्ति की बंद किस्मत का ताला भी खुल जाता है और जीवन में तरक्की आने लगती है।

इसके अलावा वास्तु शास्त्र के अनुसार, ये मान्यता है कि

यदि घर या कार्यालय की उत्तर दिशा में मनी प्लांट और तुलसी का पौधा लगाया जाए तो आर्थिक स्थिति मजबूत होती है और सुख-समृद्धि बनी रहती है। इसी तरह इस दिशा में बांस का पौधा रखना भी शुभ माना जाता है, जिससे सौभाग्य और धन वृद्धि के अवसर बढ़ते हैं। ऐसे में आप अपने घर की उत्तर दिशा में इन में कोई भी एक पौधा ज़रुर लगाएं। घर की उत्तर दिशा में छोटा सा फाउंटेन या फिर क्रिस्टल का कछुआ भी रख सकते हैं। इन्हें भी इस दिशा में रखना बेहद शुभ माना जाता है। कहते हैं कि इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश होता है।

इसके अलावा यदि आपको अपने घर में नकारात्मकता महसूस होती है तो ऐसे में घर की उत्तर दिशा में नदी के झरने वाली तस्वीर लगाना बेहद शुभ माना जाता है। माना जाता है कि इससे घर में अच्छी ऊर्जा का प्रवाह होता है और नकारात्मकता का अंत होता है।

ध्यान रखें की घर की उत्तर दिशा में कभी भी जूते चप्पल या डस्टबिन आदि नहीं रखने चाहिए। ये दिशा धन के देवता कुबेर जी की मानी जाती है। ऐसे में इस दिशा ये सब रखने से कुबंर देव नाराज़ हो सकते हैं और जातक को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

प्रकृति और इसके तत्वों में लगातार बदलाव होते रहते हैं, इन बदलावों के लिए सकारात्मक रहें

आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद जी गिरि के जीवन सूत्र में जानिए मन को विचलित होने से कैसे बचा सकते हैं?हमारी प्रकृति निरतंर बदलती रहती है। यहां दिन-रात, ऋतुएं, इंसान, चीजें सब कुछ बदल रहा है। प्रकृति के हर एक तत्व में बदलाव होते हैं, लेकिन हमारे नियम, जीवन मूल्य और सिद्धांतों के लिए सतर्क रहना चाहिए।

इन बातों में बदलाव करने से बचना चाहिए। हमारी देह और ऋतुओं में भी परिवर्तन होते हैं, इसलिए इन परिवर्तनों को लेकर सकारात्मक रहना चाहिए।

घर के किचन में मां अन्नपूर्णा की कृपा पाने के लिए चुनें, ये खास रंग की तस्वीरें

किचन में लाल रंग की मां अन्नपूर्णा की तस्वीर लगाना शुभ होता है क्योंकि यह परिवार में ऊर्जा और खुशहाली लाता है।

पीला रंग की तस्वीर

पीला रंग ज्ञान, स्पष्टता और सकारात्मकता से जुड़ा होता है। मां अन्नपूर्णा की पीली तस्वीर से किचन में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है और भोजन में स्वाद भी बढ़ता है।

सफेद रंग की तस्वीर

सफेद रंग शांति और पवित्रता का प्रतिनिधित्व करता है। सफेद रंग की मां अन्नपूर्णा की तस्वीर से घर में शांति और संतुलन बना रहता है।

किचन के लिए चुने मां अन्नपूर्णा की इस रंग की तस्वीरें

लाल रंग की तस्वीर

लाल रंग शक्ति, उत्साह और समृद्धि का प्रतीक है।

क्या आप भी किचन में नमक और मिर्च एक ही जगह रखते हैं, खुद ही खोद रहे हैं गड्ढा

वास्तु शास्त्र के अनुसार, किचन घर का सबसे महत्वपूर्ण स्थान माना जाता है और इसी स्थान से पूरे घर को ऊर्जा मिलती है। इसलिए किचन को घर का दिल भी कहा जाता है। माना जाता है कि किचन जैसा होता है, वैसा ही प्रभाव घर के सदस्यों पर पड़ता है। साफ सथुरा किचन रहने से सुख-शांति और समृद्धि बनी रहती है और अगर किचन गंदा है तो घर के सदस्यों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। कई बार जाने अनजाने में ऐसी गलतियां हो जाती हैं, जो घर के सदस्यों की पर्सनल व प्रफेशनल लाइफ को बुरी तरह प्रभावित करती हैं। जैसे किचन में एक जगह नमक और मिर्च नहीं होना चाहिए। आइए वास्तु के माध्यम से जानते हैं किचन में नमक और मिर्च कहां होना चाहिए...

नमक रखने के वास्तु नियम

नमक रखने के मामले में वास्तु के नियमों का पालन करना जरूरी माना गया है। नमक का उचित भंडारण घर में नकारात्मक ऊर्जा के प्रभाव को कम करता है। नमक को हमेशा कांच के बर्तन में रखने की सलाह दी जाती है।

ऐसा करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा आती है। हालांकि, लोहा, प्लास्टिक या अन्य धातु के बर्तन में नमक रखना अशुभ होता है। ऐसा करने से परिवार में परेशानियां और आर्थिक तंगी आ सकती है।

भूलकर भी ऐसे ना दें नमक

पड़ोसियों को सीधे हाथ से नमक भूलकर भी नहीं देना चाहिए। इसे किसी बर्तन में ही देना चाहिए। वास्तु के अनुसार, किसी और के घर से नमक लेने से दरिद्रता आती है। साथ ही ध्यान रखें कि नमक का बर्तन कभी भी खाली ना रखें, जब भी नमक खत्म को आए, उससे पहले ही मंगा लें। साथ ही नमक के डिब्बे को हमेशा शुक्रवार के दिन ही भरें, ऐसा करने से नकारात्मक ऊर्जा दूर रहती है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार बना रहता है।

नमक, चीनी और मिर्च एक साथ ना रखें

वास्तु शास्त्र कहता है कि किचन में नमक, चीनी और मिर्च एक साथ रखने से परिवार में कलह और झगड़े हो सकते हैं। इन तीनों को अलग-अलग बर्तनों में ही रखना चाहिए। नमक, मिर्च और चीनी एक ही बर्तन में रखने से दरिद्रता आती है और घर के सदस्यों पर इसका नकारात्मक प्रभाव भी पड़ता है। ज्यादातर घरों में नमक और मिर्च एक डिब्बे में रखे रहते हैं, जो कि पूरी तरह गलत है। हमेशा ध्यान रखें कि नमक, मिर्च और चीनों तीनों अलग अलग डिब्बे में हों। परिवार में सुख-शांति के लिए वास्तु के इस नियम का पालन अवश्य करें।

किचन में ऐसे रखें हल्दी

हल्दी सिर्फ खाना पकाने की सामग्री नहीं है, यह घर में शुभता, उन्नति और शांति का प्रतीक है। इसलिए हल्दी के बर्तन को विशेष महत्व देना चाहिए। नमक के बर्तन की तरह, हल्दी के बर्तन को भी कभी खाली नहीं रखना चाहिए।

हल्दी के बर्तन में एक सिक्का और तीन लौंग रखने से बहुत लाभ होता है। वास्तु के अनुसार, हल्दी गुरु ग्रह का प्रतीक है, सिक्का देवी लक्ष्मी का और लौंग धन का प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि अगर इन तीनों को एक जगह रखा जाए, तो घर में धन और सुख की कभी कमी नहीं होती।

करण जौहर ने टॉक्सिक लोगों के नुकसान और सफलता के सीक्रेट पर की बात

फिल्मकार करण जौहर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं। वे यहां पर अपनी फिल्म और लाइफ से जुड़ी अपडेट्स साझा करते रहते हैं। आज उन्होंने एक क्रिप्टिक पोस्ट इंस्टाग्राम पर साझा किया है। इसमें उन्होंने टॉक्सिक लोगों के नुकसान और सफलता के सीक्रेट फैंस के साथ साझा किए हैं। करण जौहर ने इस पोस्ट में कई स्लाइड्स शेयर की हैं। इनमें उन्होंने अपने विचार फैंस के साथ साझा किए हैं। इन्हें शेयर करते हुए करण जौहर ने लिखा, विचार जिनसे मैं सहमत हूं।

पहली स्लाइड में उन्होंने लिखा, नियम 1: वे जो सोचते हैं, उससे कोई लेना-देना नहीं। दूसरी स्लाइड पर लिखा था, कभी-कभी आपकी कीमत तब तक नहीं दिखती जब तक आपकी अनुपस्थिति का एहसास न हो। तीसरी स्लाइड पर लिखा है, एक रिमाइंडर- टॉक्सिक लोगों को नजरअंदाज करना खुद की देखभाल करना है। अन्य स्लाइड्स में लिखा था, अगर आप छोटी-छोटी बातों से विचलित हो जाते हैं, तो आप बड़े काम नहीं कर सकते। सीखने लायक बनें। आप हमेशा सही नहीं होते। ऐसे लोगों को चुनें जो आपको चुनते हैं। कुछ लोग ऐसे होते हैं जो आपका साथ कभी नहीं देंगे क्योंकि वो आप हैं। फिर कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जो हमेशा आपका साथ देंगे क्योंकि वो आप हैं। आपको बस अपने लोगों को ढूंढना है। फिल्मों की बात करें तो करण जौहर की फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी बहुत जल्द रिलीज होने वाली है। इसे शशांक खेतान ने लिखा और डायरेक्ट किया है। धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले इसे बनाया गया है।

इस रोमांटिक कॉमेडी में वरुण धवन, जान्हवी कपूर, सान्या मल्होत्रा, रोहित सराफ, मनीष पॉल, और अक्षय ओबेरॉय जैसे कलाकार हैं। यह दुल्हनिया फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म है। यह फिल्म 2 अक्टूबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके अलावा उनका प्रोडक्शन हाउस फिल्म 'मिराय' को हिंदी में रिलीज कर रहा है। इसमें दक्षिण भारतीय फिल्मों के अभिनेता तेजा सज्जा लीड रोल निभाते दिखाई देंगे। इसके लिए करण जौहर ने तेजा का खास इंटरव्यू लिया था, जिसे उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया था। इसमें करण जौहर ने बताया था कि इतने कम बजट में इतनी शानदार फिल्म बनाना उनकी कल्पना के परे था।

सई मांजरेकर ने बताया साउथ सिनेमा और बॉलीवुड में अंतर

फिल्म इंडस्ट्री में बॉलीवुड और साउथ इंडियन सिनेमा की अक्सर तुलना की जाती रहती है। इस पर अब अभिनेत्री सई मांजरेकर ने भी बात की है। वो दोनों ही इंडस्ट्री में काम कर चुकी हैं। उन्होंने बताया है कि दोनों फिल्म इंडस्ट्री में क्या अंतर है। सई मांजरेकर ने इस बारे में बात करते हुए कहा, मेरा मानना है कि सिनेमा की कोई भाषा नहीं होती, कहानी और लोगों से जुड़ने का तरीका ही मायने रखता है। फिलहाल मैं बॉलीवुड और दक्षिण भारतीय सिनेमा में अपने काम पर ध्यान केंद्रित कर रही हूं, लेकिन मैं किसी समय एक अच्छी मराठी फिल्म भी जरूर करना चाहूंगी। जब तक पटकथा मुझे उत्साहित करती है और निर्देशक का दृष्टिकोण मजबूत है, मैं अलग-अलग फिल्म इंडस्ट्री में काम करने के लिए तैयार हूं। बॉलीवुड और दक्षिण भारतीय सिनेमा की तुलना पर सई ने कहा, दोनों में काम करने का मौका मिलने के बाद मुझे लगता है कि हर इंडस्ट्री की अपनी एक अलग कार्यशैली और जादू होता है। बॉलीवुड असाधारण भावनाओं और कहानियों को पेश करने के तरीके का जश्न मनाता है, जबकि साउथ में मैंने अनुशासन की एक अद्भुत भावना और कला के प्रति गहरा सम्मान देखा है, जिसकी मैं सचमुच प्रशंसा करती हूं। दोनों ही दुनिया ने मुझे अलग-अलग तरीकों से आकार दिया है। मेरे लिए यह खुद को निखारने का मौका भी है, मैं

भाग्यशाली हूं कि मुझे दोनों इंडस्ट्री में काम करने का मौका मिला है

इससे पहले सई मांजरेकर ने एक पोस्ट में कहा था कि उनके पिता हमेशा से उनकी प्रेरणा रहे हैं, लेकिन कभी भी उनका शॉर्टकट नहीं रहे। मतलब कभी उन्होंने अपने पिता के नाम का फायदा नहीं उठाया। पहली बार जब सई ने एक्टिंग करने का फैसला किया तब उनके पिता ने एक्ट्रेस को सपोर्ट किया था और साथ ही कहा था कि इसके लिए सई को खुद ही मेहनत करनी होगी और वे किसी फिल्म के लिए उनकी सिफारिश नहीं करेंगे। अभिनेत्री हाल ही में तेलुगु एक्शन थ्रिलर फिल्म 'अर्जुन सन ऑफ वैजयंती' में नजर आई थीं। प्रदीप चिलुकुरी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में नंदमुरी कल्याण राम, विजय शांति, सोहेल खान और श्रीकांत जैसे सितारे भी हैं। अभी एक्ट्रेस ने अपनी नई फिल्म की घोषणा नहीं की है।

कावेरी प्रियम ने बताया क्यों आकर्षक लगा उन्हें 'दूरियां' का किरदार

अभिनेत्री कावेरी प्रियम ये रिश्ते हैं प्यार के और जिद्दी दिल माने ना जैसे धारावाहिकों में यादगार अभिनय के लिए मशहूर हैं। इन दिनों वो यूट्यूब पर स्ट्रीम हो रहे शो दूरियां में सोनिया का किरदार निभाती दिखाई दे रही हैं। कावेरी प्रियम ने यह किरदार क्यों चुना और यह उनके दूसरे किरदारों से कैसे अलग है, उन्होंने एक इंटरव्यू में इसके बारे में बताया। अभिनेत्री इस शो में एक ऐसी महिला का रोल प्ले कर रही हैं, जो प्रोफेशनल लाइफ में तो बड़ी मजबूत है, लेकिन पर्सनल लाइफ में काफी संघर्ष करती है। कावेरी प्रियम ने अपने किरदार के बारे में बात करते हुए कहा, सोनिया के किरदार की जटिलता ने मुझे इसकी तरफ तुरंत आकर्षित किया। वह न सिर्फ एक मजबूत महिला है, बल्कि एक तरीके से कमजोर भी है। पेशेवर तौर पर वह महत्वाकांक्षी और आत्मविश्वासी है, लेकिन निजी जिंदगी में वह असुरक्षित और बेहद भावुक है। इस किरदार का यही द्वंद्व उसे मेरे लिए आकर्षक बनाता है। कावेरी मानती हैं कि सोनिया के किरदार के लिए तैयारी करने का मतलब था कि उन असली महिलाओं को देखना जो काम पर अपनी ताकत और घर पर अपनी कमजोरी के बीच संतुलन बनाए रखती हैं। उन्होंने बताया कि इस तरह के किरदार निभाना उन्हें पसंद हैं, जो उन्हें कुछ नया करने की चुनौती दे। कावेरी ने कहा, मैं जानबूझकर स्क्रीन पर खुद को दोहराने से बचती हूं। सोनिया ने मुझे एक ही भूमिका में महत्वाकांक्षा, जुनून, कमजोरी और दिल टूटने का अहसास दिखाने का मौका दिया। मैं कई परतों वाली खामियों से भरे किरदारों और ऐसी कहानियों को तलाशना पसंद करती हूं, जो मुझे चुनौती दें, फिर चाहे वो फिल्म, ओटीटी, या टीवी किसी से भी जुड़े क्यों न हों।

तनाव की वजह से बीच में छोड़ा था एक सीरियल

टीवी एक्ट्रेस वाहबिज दोराबजी को 'प्यार की एक कहानी', 'सरस्वती चंद्र', और 'बहु हमारी रजनीकांत' जैसे सीरियल्स के लिए जाना जाता है। उन्होंने अपने करियर के मुश्किल दौर को याद किया। साथ ही बताया कि कैसे काम के तनाव की वजह से उन्हें एक सीरियल को बीच में ही छोड़ना पड़ गया था। इंटरव्यू में वाहबिज ने कहा, हां, मैंने एक शो बीच में ही छोड़ दिया था। मेरे जाने के कुछ दिनों बाद वो शो बंद हो गया क्योंकि शो उन पर ही आधारित था। सच कहूं तो काम के तनाव ने मुझ पर बहुत बुरा असर डाला था। मुझे मधुमेह था और ये गंभीर स्थिति तक पहुंच गया था। डॉक्टर्स ने मुझे आराम करने की सलाह दी थी। इसलिए मेरे पास कोई विकल्प नहीं था। अपने रिलेशनशिप स्टेटस के बारे में बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा, मैं खुद पर, अपने करियर पर ध्यान केंद्रित कर रही हूं। रिश्तों के मामले में मैं बहुत पुराने जमाने की हूं। मैं 90 के दशक के ह्रश्वयार में विश्वास करती हूं। मैं किसी ऐसे व्यक्ति को चाहती हूं जो मेरे जीवन में कुछ अर्थ जोड़े, जो मेरे बराबर का हो, महत्वाकांक्षी हो, फिर भी परिवार के प्रति समर्पित हो। मुझे आजकल के स्वाइप कल्चर से बहुत डर लगता है। टीवी इंडस्ट्री के बिजी शेड्यूल पर भी उन्होंने बात की। वाहबिज दोराबजी ने अपनी राय रखते हुए कहा, टेलीविजन बहुत ही डिमांडिंग इंडस्ट्री है। जब आप इस दुनिया में आते हैं तो आपको पता होता है कि आप या करने जा रहे हैं। कभी- कभी प्रसारण का दबाव होता है और आप अपने प्रोडशन को कम नहीं कर सकते। लेकिन सच्चाई यह है कि हमारा शरीर इतना दबाव नहीं झेल पाता। मेरा मानना है कि आज की दुनिया को एक संतुलित और समग्र जीवनशैली की जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर काम का समय सीमित कर दिया जाए, तो कलाकारों के अभिनय में निखार आएगा, वे स्वस्थ रहेंगे, और उत्पादकता भी बढ़ेगी। इससे सबको फायदा होगा।

हर इंडस्ट्री में काम करना चाहते हैं तेजा सज्जा

तेलुगु एक्टर तेजा सज्जा की पैन इंडिया फिल्म 'मिराई' रिलीज हो गई है। इस फिल्म को नॉर्थ डिया में रिलीज करने का जिम्मा बॉलीवुड फिल्ममेकर करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शन ने ली है। इससे पहले तेजा की पैन इंडिया फिल्म 'हनुमान' को भी हिंदी ऑडियंस ने खूब पसंद किया था। बातचीत में एक्टर ने हिंदी ऑडियंस और अलग-अलग भाषाओं में काम करने पर अपनी राय साझा की है।

आपकी फिल्म हनुमान को हर भाषा में ऑडियंस का प्यार मिला था। क्या आपको हिंदी इंडस्ट्री से ऑफर मिले?

हां, मुझे ऑफर्स आए थे। मैं जो भी फिल्म करता हूं, उसे लेकर काफी कंसर्न रहता हूं। मैं कोई भी प्रोजेक्ट तभी करता हूं, जब मैं अंदर से उसके लिए एक्साइटेड होता हूं। भाषा मेरे लिए प्रॉब्लम नहीं है। फिल्ममेकर कहीं से भी आ सकते हैं। आज कन्नड़ डायरेक्टर प्रशांत नील सर प्रभाष के साथ फिल्म बना रहे हैं। मेरी फिल्म हनुमान के डायरेक्टर कन्नड़ एक्टर ऋषभ शेट्टी के साथ फिल्म बना रहे हैं तो भाषा कहीं से दिक्कत नहीं है। हमारे इंडियन सिनेमा में मुझे किसी भी भाषा का कोई भी फिल्ममेकर फिल्म ऑफर कर सकता है और उसका पार्ट बनकर मुझे खुशी होगी।

'हनुमान' की वजह से बच्चों में आपकी काफी फैन-फॉलोइंग है। इसे आप कैसे देखते हैं?

मैं जानता हूं कि मैं जो फिल्में कर रहा हूं, वो बच्चों को बहुत पसंद आ रही हैं। इसलिए मैंने सोच-समझकर फैसला लिया है कि मेरी फिल्म साफ-सुथरी होंगी। सभी बच्चों को पसंद आनी चाहिए। मेरी फिल्मों में कूल अंदाज में नैतिकता को दिखाया जाएगा। मिराई में एक्शन की एक नई दुनिया देखने मिलेगी। अपने इतिहास को जिस अंदाज में हम ऑडियंस को बताने जा रहे हैं, मुझे पूरा भरोसा है कि बच्चों को ये भी पसंद आएगी।

आप पर्दे पर साउथ के कई बड़े नामों का बचपन निभा चुके हैं। उनकी तरफ से आपकी फिल्मों को लेकर क्या रिस्पॉन्स मिलता है?

'मिराई' को देख चिरंजीवी सर ने मुझे और प्रोड्यूसर दोनों के लिए लंबा-चौड़ा मैसेज भेजा था। प्रभाष सर को 'मिराई' का ट्रेलर बहुत पसंद आया। मुझे लगता है कि इंडस्ट्री में टॉप के जो भी लोग हैं, अगर वो देखते हैं कि कोई अपनी लिमिट से बाहर जाकर मेहनत कर रहा है, तो वो उसे मोटिवेट करते हैं।

अगर कभी मौका मिले तो किस भगवान का रोल निभाना चाहेंगे?

मैं अभी कुछ बताना नहीं चाहता हूं। मेरी एक बड़े कोलैबरेशन के लिए बातचीत चल रही है। उसमें भगवान का रोल नहीं है लेकिन उसमें हमारे इतिहास से जुड़ा एक किरदार है। इस पर अभी बात चल रही है इसलिए मैं आपको बता नहीं सकता हूं।

अच्छी कहानी मिले तो मैं जरूर करूंगा एलजीबीटीक्यू किरदार

अपनी सीरीज राणा नायडू सीजन 2 के लिए चर्चा बटोर चुके राणा दग्गुबाती बाहुबली के भल्लालदेव के किरदार के रूप में लोकप्रिय रहे हैं। अभिनेता ही नहीं निर्माता और डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में वे सिनेमा की बारीकियों को भी खूब जानते हैं। इस बार वे सनडांस फिल्म फेस्टिवल में विजेता साबित हुई मराठी फिल्म साबर बोंडा से जुड़े हैं।

बॉक्स ऑफिस इस वक्त काफी अनिश्चित दौर से गुजर रहा है, आपका क्या कहना है?

मुझे लगता है, बॉक्स ऑफिस एक न्यूट्रल चीज है। यह फिल्म के अच्छे या बुरे होने पर निर्भर करता है। बॉक्स ऑफिस का समय के साथ कोई रिलेशन नहीं होता। कांतारा, एनीमेशन फिल्म महावतार नरसिम्हा और कई इंडिपेंडेंट तमिल-तेलुगू फिल्मों ने भी बहुत अच्छा बिजनेस किया। जैसे कांतारा 15 करोड़ की फिल्म थी, मगर उसने 500 करोड़ का बिजनेस किया था। सिनेमा में अच्छा-बुरा दौर चलता रहता है। दर्शकों को वैरायटी चाहिए होती है, मगर मेकर्स की प्रॉब्लम ये है कि अगर एक्शन या लव स्टोरी चल गई, तो वे लगातार उसी तरह की फिल्म बनाने में लग जाते हैं। मगर इंडिपेंडेंटट फिल्मों की लागत बड़ी फिल्मों की तुलना में कम होती है, तो बॉक्स ऑफिस पर इनके सर्वाव करने के चांसेज ज्यादा होते हैं।

स्टार्स अगर अपनी फीस कम करें, तो फिल्म के बजट को कंट्रोल में लाया जा सकता है?

स्टार्स की फीस का सवाल पूरी तरह पर्सनल चॉइस है। अगर उनकी फीस ज्यादा लगती है, तो मेकर्स न्यूकमर्स के साथ फिल्म बना सकते हैं। हर कोई अपनी वैल्यू की कीमत मांगता है और कई प्रोड्यूसर उसे देने को तैयार भी होते हैं। असल मसला भरोसे का है। क्या आप नए डायरेक्टर्स या नए चेहरों पर दांव लगाने को तैयार हैं? बहुत कम लोग ऐसा करते हैं। जबकि दूसरी इंडस्ट्रीज में देखें तो नानी, विजय देवरकोंडा जैसे एक्टर्स नए डायरेक्टर्स के साथ काम करते हैं और तरुण भास्कर जैसे फिल्ममेकर्स ने पहली ही फिल्म में खुद को साबित किया। सलमान दुलकर ने भी नए डायरेक्टर सेल्वा के साथ काम किया। यहां यही कमी है कि लोग एक-दूसरे पर यकीन नहीं करते। आखिरकार, फिल्म को उसकी कहानी और मेरिट पर तौला जाना चाहिए। अगर ऐसा हो, तो बजट, फीस और बाकी समस्याएं खुद सुलझ जाएंगी।

वो दौर कैसा था, जब आपको एक आंख से दिखाई नहीं देता था? आप कई तरह की सर्जरी से भी गुजरे?

हर इंसान की जिंदगी में मुश्किलें आती हैं, लेकिन वही चुनौतियां इंसान को मजबूत बनाती हैं। मेरे लिए उस कठिन दौर में सबसे बड़ा सहारा मेरा परिवार और सिनेमा रहा। विजुअली इंपेयर्ड होने की कमी को ही मैंने अपनी ताकत बना लिया। पढ़ाई, डिबेट, ड्रामा, हर जगह अच्छा करता था, और स्टेज परफॉर्मेंस के वक्त मुझे ऑडियंस दिखती ही नहीं थी, तो स्टेज फियर का सवाल ही नहीं था। एक्शन सीन के दौरान भी मैं बिंदास परफॉर्म करता हूं।

साबर बोंडा जैसी एलजीबीटीक्यू कम्युनिटी की मराठी फिल्म से जुड़ने का क्या कारण रहा?

दर्शकों को हमेशा नया कंटेंट चाहिए, लेकिन पिछले दस सालों में ऐसे सिनेमा को वो प्लेटफॉर्म नहीं मिला जिसकी जरूरत थी। कुछ फिल्में ओटीटी या इंटरनेशनल फेस्टिवल्स तक तो पहुंचती हैं, मगर आम दर्शक तक नहीं। जैसे निर्देशक रोहन कानावड़े की यह फिल्म सनडांस फिल्म फेस्टिवल में विजेता साबित होने वाली दक्षिण एशिया की पहली फिल्म थी। पहले श्याम बेनेगल, के. विश्वनाथ, के. बालाचंदर जैसे फिल्मकार सामाजिक मुद्दों की आवाज हुआ करते थे। आम समाज में या दूसरे क्षेत्रों में भले इन्हें टैबू समझा जाता हो, मगर सिनेमा और आर्ट्स ने हमेशा इनका स्वागत किया है। कई डिजाइनर्स और क्रिएटिव लोग ऐसे हैं, जिनके साथ मैंने काम किया है इस फिल्म का हैपी एंडिंग भी लोगों का नजरिया बदलेगी। जहां तक एलजीबीटीक्यू किरदार निभाने की बात है, तो जरूर, यदि मुझे कोई अच्छी कहानी मिले तो मैं जरूर करूंगा।

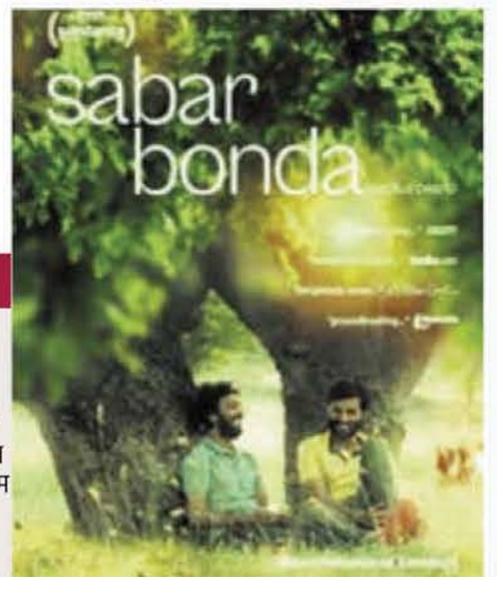

योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री,
उत्तर प्रदेश

प्रगति और विश्वास, निरंतर बढ़ता
औद्योगिक विकास

नन्द गोपाल गुप्ता 'नन्दी'
मंत्री, औद्योगिक विकास
उत्तर प्रदेश सरकार

- **औद्योगिक भूखण्डों का आवंटनः** प्राधिकरण ने कलस्टर आधारित उद्योगों के विकास हेतु प्रभावी कार्यवाही की है। प्राधिकरण के औद्योगिक सेक्टरों में MSME पार्क, टॉय सिटी एवं हैण्डीक्राफ्ट पार्क एवं अपैरल पार्क का विकास किया गया है। वित्तीय वर्ष 2017 से 31 जनवरी 2024 तक कलस्टर आधारित औद्योगिक पार्कों एवं मिश्रित भू–उपयोग में कुल 2209 औद्योगिक ईकाइयों की स्थापना हेतु भूमि का आवंटन किया गया है। इन उद्योगों के स्थापना से प्राधिकरण क्षेत्र में लगभग 31,000 करोड़ रुपये का निवेश प्राप्त होगा तथा 3,61,593 लोगों को रोजगार की प्राप्ति होगी।
- **मेडिकल डिवाईस पार्कः** भारत सरकार की योजना के अन्तर्गत मेडिकल डिवाईस पार्क की स्थापना यमुना एक्सप्रेस प्राधिकरण द्वारा सेक्टर–28 में की जा रही है। मेडिकल डिवाईस पॉलसी के अन्तर्गत रु. 100 करोड का ग्रान्ट भारत सरकार द्वारा दिया जाना है जिसके सापेक्ष रु. 30 करोड़ प्राप्त हो चुके हैं। मेडिकल डिवाईस पार्क में इकाईयों की स्थापना के लिए भारत सरकार द्वारा सैद्धान्तिक अनुमति में वर्णित विशेष प्रोत्साहन लाभ प्रदान करने हेतु फार्मास्यूटिकल मैन्यूफैक्चरिंग नीति–2018 (यथा संशोधित) के प्रस्तर–12.5 के तहत प्रस्ताव पर मा. मंत्री परिषद् द्वारा दिनांक 14.06.2022 को अनुमोदन प्रदान कर दिया गया है। Scheme for promotion of Medical Devices Park के अनुसार मेडिकल डिवाइस पार्क योजना 02 वर्ष में क्रिन्यान्वित की जानी है। मेडिकल डिवाईस पार्क योजना के अन्तर्गत फेज–1 में 35, फेज–2 में 23 एवं फेज–3 में 14 भूखण्डों का आवंटन हो चुका है। इस योजना में लगभग 3800 करोड़ का निवेश प्राप्त होगा साथ ही 15000 रोजगार का सृजन होगा।
- **इन्टरनेशनल फिल्म सिटीः** उ.प्र. में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की फिल्म सिटी के स्थापना की उ.प्र. शासन की परिकल्पना ने लिया आकार। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के विकसित क्षेत्र में 230 एकड़ में फिल्म सिटी की स्थापना हेतु निर्माता निर्देशक बोनी कपूर एवं भूटानी इंफ्रा कम्पनी Bayview Projects LLP इनके द्वारा ड्रॉईंग डिजाइनिंग डीपीआर तैयार किया जा रकाह है।
- **नोयडा इन्टरनेशनल एयरपोर्ट, जेवरः** नॉयडा इन्टरनेशनल एयरपोर्ट, जेवर नागरिक उड्डयन विभाग, उ.प्र. शासन की पी.पी.पी. मोड पर आधारित परियोजना है। इसका विकास प्राधिकरण के मास्टर प्लान क्षेत्र इन्टरनेशनल एयरपोर्ट एण्ड एविएशन हब के अन्तर्गत 1334 हेक्टेयर क्षेत्र में जेवर के निकट किया जा रहा है। इस हेतु 1334 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया जा चुका है तथा भारत सरकार की विभिन्न एजेंसियों से सभी प्रकार की एन.ओ.सी. एवं इन्वारयमेंट क्लीरेन्स प्राप्त हो चुका है। ग्लोबल बिडिंग प्रकिया से Zurich Airport International AG का चयन कंसेशनायर/विकासकर्ता के रूप में किया गया है। समस्त भूमि का कब्जा विकासकर्ता को प्रदान किया जा चुका है तथा विकास हेतु Master Plan एवं Development Plan अनुमोदित किया जा चुका है। वर्तमान में विकासकर्ता Yamuna International Airport Pvt. Ltd. जो Zurich Airport International AG की (SPV) है के द्वारा Terminal Building, रनवे, ATC Building के निमार्ण कार्य किया जा रहा है। प्रथम चरण में 12 मिलियन यात्रियों के लिए एयरपोर्ट का निर्माण होगा जिसमें रु. 5730 करोड़ की धनराशि कम्पनी द्वारा व्यय की जाएगी। एयरपोर्ट की स्थापना से औद्योगिक अवस्थपना का संरचनात्मक विकास होगा, जिससे रोजगार के अवसर बढेगें, विनिर्माण एवं निर्यात को प्रोत्साहन मिलेगा तथा हवाई यातायात सुगम होगा साथ ही पर्यटन में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।
- **हेरीटेज सिटीः** राया नगरीय केन्द्र (वृन्दावन) प्राधिकरण की महायोजना में शासन द्वारा अनुमोदित है, जहाँ प्राधिकरण द्वारा हेरीटेज सिटी के रूप में विकास किये जाने की योजना है। इसके अध्ययन हेतु M/s CBRE South Asia Pvt. Ltd. को परामर्शदाता के रूप में चयन किया गया है। ब्रिज विकास परिषद के सुझाव पर इसका विकास श्री बांकेबिहारी मंदिर के समीप ग्रीनफील्ड एरिया में किया जाएगा जहाँ पर पूर्व से ही भगवान श्रीकृष्ण से सम्बन्धित कई पौराणिक स्थल मौजूद हैं। इस योजना में यमुना एक्सप्रेसवे से श्री बांकेबिहारी मन्दिर हेतु ग्रीनफील्ड कनेक्टिविटी प्रदान की जाएगी साथ ही रिवर फ्रन्ट, योग केन्द्र, प्रार्थना स्थल आदि का भी विकास हेरीटेज सिटी में सम्मिलित है। इसका DPR कंसलटेन्ट द्वारा तैयार किया जा रहा है। DPR के अनुमोदन के उपरान्त विकासकर्ता का चयन पी.पी.पी. मोड पर किया जाएगा। मास्टर प्लान दिनांक 21.10.2024 को शासन से अनुमोदित हो गया है।
- **ग्रुप हाउसिंग भूखण्डों का आवंटनः** प्राधिकरण द्वारा दिनांक 01.08.2024 को सेक्टर 18 एवं 22डी ग्रुप हाउसिंग भूखण्ड योजना (वाईईए–जीएच–08/2024) लायी गई थी। उक्त योजना में कुल 9 भूखण्डों का आवंटन किया जा चुका है।
- **डेटा सेन्टर पार्कः** सैक्टर–28 में डेटा सेन्टर पार्क 50 एकड़ में विभिन्न आकार के 6 भूखण्डों के आवंटन की योजना लायी गयी है। डेटा सेन्टर पार्क और एविएशन हब के बीच 2.5 कि.मी. की दूरी है। डेटा सेन्टर पार्क के अन्तर्गत 2 भूखण्डों का आवंटन हो चुका है।
- **संस्थागतः** प्राधिकरण के संस्थागत उपयोग हेतु प्रशिक्षण संस्थानों की स्थापना हेतु प्रभावी कार्यवाही की गई है। प्राधिकरण के संस्थागत सैक्टरों में Degree College, PG College, Medical College Management Institute/Technical Institute, Vocational College/Institute, Sport College/Sports Academy, Senior/Higher Secondary School, Integrated Residential Schools, Nursory School, Hospital, Nursing Home, Corporate Office etc. के उपयोग हेतु 238 भूखण्डों का आवंटन किया गया है।
- **ग्रामों का सैक्टरों की तर्ज पर स्मार्ट विलेज के रूप में विकासः** प्रथम फेज में प्राधिकरण द्वारा अधिग्रहित क्षेत्र के कुल 29 औद्योगिक नगरों को स्मार्ट विलेज के रुप में विकसित किया जाना प्रस्तावित है। 06 औद्योगिक नगरों (निलोनी, रामपुर बांगर, अच्छेजा बुजुर्ग, डूँगरपुर रीलका, मिर्जापुर व रूस्तमपुर का कार्य पूर्ण करा दिया गया है। 13 औद्योगिक नगरों (सलारपुर, मूंजखेडा, चपरगढ़, (माजरा–मिर्जापुर), गुनपुरा, मुरादगढ़ी, मौहम्मदपुर गुर्जर, खेरली भाव, औरंगपुर, अट्टा गुजरान, दनकौर जगनपुर, अफजलपुर, रौनीजा एवं चांदपुर) में कुल रुपये 9584.08 लाख के विकास कार्य प्रगति में हैं। शेष 11 औद्योगिक नगरों के प्राक्कलन तैयार किया जाना प्रस्तावित है।
- **प्राधिकरण के 96 औद्योगिक नगरी क्षेत्रों के अन्तर्गत स्कूलों के कायाकल्प के कार्यः** ऑपरेशन कायाकल्प के अंतर्गत परिषदीय विद्यालयों को अवस्थापना से संतृप्त कराये जाने हेतु बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा कराये गये सर्वे में 14 मानकों के अन्तर्गत 89 प्राईमरी स्कूल तथा 34 जूनियर हाई स्कूल में कार्य पूर्ण कराये जा चुके हैं।
- **अभ्युदय कम्पोजिट विद्यालयः** प्राधिकरण सीमा के अन्तर्गत आने वाले 15 विद्यालयों की सूची तैयार कर प्रस्तुत की गयी है, जिसमें नयी शिक्षा नीति–2020 के अनुरूप At Grade Learning की अवधारणा के आधार पर उक्त चिन्हित विद्यालयों में पढ़ रहे बच्चों को विश्वस्तरीय एवं आधुनिक अवस्थापना सुविधाओं के साथ बेहतर शैक्षणिक परिवेश में शिक्षा प्रदान करने के उददेश्य से परिषदीय कम्पोजिट विद्यालयों को अभ्युदय कम्पोजिट विद्यालय के रूप में उच्चीकृत किये जाने हेतु प्रस्ताव प्रेषित किया गया है। इसके अन्तर्गत विद्यालय में 05 कक्षों से युक्त 01 एकीकृत भवन का निर्माण किया जाएगा, जहाँ निम्नलिखित आधुनिक अवस्थापना सुविधाओं को विकसित किया जाएगाः • Library with dedicated reading Corner • Computer lab with language lab solution • Modular composite (Math & Science) laboratory • High-tech Smart class by interactive display smart board with virtual class room • Staff room with attached toilet.

  अभ्युदय कम्पोजिट विद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप डिजिटल शिक्षा पर विशेष ध्यान देने के उददेश्य से बच्चों को डिजिटल एजुकेशन प्लेटफार्म एवं डिजिटल लर्निंग के माध्यम से गुणवत्तापरख शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए आधुनिक स्मार्ट क्लास शैटअप को भी तैयार किया जायेगा। प्राधिकरण द्वारा कुल 12 विद्यालयों को दो चरणों में अभ्युदय कम्पोजिट विद्यालयों के रूप में विकसित किये जाने हेतु कार्य प्रगति में है।

Yamuna Expressway Industrial Development Authority
YEIDA
FUTURE IS HERE

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉपलेक्स, पी–2, सैक्टर ओमेगा–1, ग्रेटर नोएडा 201308, जनपद–गौतमबुद्ध नगर

Tolfree No.: 1800 180 8296 वेबसाईटः www.yamunaexpresswayauthority.com